■ वैशाख कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 256 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 15-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 वक्फ संपत्तियों का पात्रों को नहीं मिल रहा था लाभ, इसलिए सरकार ने किया हस्तक्षेप

6 बेहाल वृद्धों के लिए आयोग बनना एक सराहनीय कदम

7 फिल्म जाट को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं सनी देओल

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में ट्रक ऑपरेटर हड़ताल पर जाएंगे

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में मालवाहक ट्रकों के सोमवार आधी रात से हड़ताल पर चले जाने की संभावना है। ट्रक ऑपरेटर ईंधन मूल्य में वृद्धि और टोल प्लाजा पर उत्पीड़न के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले हैं। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक स्टेट लॉरी ओनर्स एंड एजेंट्स एसोसिएशन के मानद महासचिव सोमसुंदरम बालन ने सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की बात कही। यह संगठन कर्नाटक का सबसे बड़ा परिवहन निकाय है, जिसमें लगभग छह लाख ट्रक पंजीकृत हैं और इसमें 196 ट्रक निकाय शामिल हैं।

हज कोटे में कटौती से परेशानी हुई : स्टालिन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि भारत के हज कोटे में अचानक कटौती किये जाने से हजारों हज यात्रियों को परेशानी हुई है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से सऊदी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर बातचीत करने और शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में सैन डिएगो के निकट जोरदार भूकंप आया

सैन डिएगो (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में सोमवार सुबह सैन डिएगो के निकट जोरदार भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.2 थी और इसका केंद्र सैन डिएगो के पूर्व में जूलियन नामक पर्वतीय शहर के पास था। भूकंप के कारण सैन डिएगो में अलमारियां हिल गईं तथा इसका असर उत्तर में लॉस एंजिलिस तक महसूस किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को मिला संदिग्ध ईमेल

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को एक संदिग्ध ईमेल मिला है जिसमें राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी दी गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अयोध्या जिले की पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने न्यास के साथ मिलकर संदिग्ध ईमेल की जांच शुरू कर दी है जो तमिलनाडु से आया था। सूत्रों ने बताया कि रविवार और सोमवार की रात को मिले ईमेल में न्यास को राम मंदिर की सुरक्षा को खतरा होने के संबंध में चेतावनी दी गई है।

15-04-2025 सूर्यास्त 6:32 बजे | 16-04-2025 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
75,157.26	22,828.55
(+1,310.11)	(+429.40)

सोना	चांदी
9,312 रु.	93,401 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कोर्ट बनाम जनमत

हर विवाद का कोर्ट हल करे,
हो संभव बस यही सदा।
कुछ तथ्य सबूत गवाहों से,
यह परंपराएं रही सदा।
किंवदन्ती जनश्रुति के दम पर,
हमने कुछ बातें कही सदा।
जन्मे थे राम कहां पर कब,
जनमत का मत ही सही सदा।।

भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में

मेहुल चोकसी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपए के ऋण "धोखाधड़ी" मामले में संलिप्त भगोड़ा आरोपी हीरा कारोबारी

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में 13,000 करोड़ रुपए के ऋण ''धोखाधड़ी'' मामले में संलिप्तता के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस 13,000 करोड़ रुपए के ऋण ''धोखाधड़ी'' मामले में चोकसी के भांजे एवं हीरा व्यापारी नीरव मोदी के बाद दूसरे ''प्रमुख संदिग्ध'' के खिलाफ कार्रवाई शनिवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई।

चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए बेल्जियम गया था जिसके बाद से वह वहीं था। भारत छोड़ने के बाद से वह 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले ही उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस को ''हटा दिया गया'' था और तभी से भारतीय एजेंसियां उसे प्रत्यर्पण के माध्यम से भारत लाने के प्रयास में लगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत भारतीय एजेंसियों ने 2018 और 2021 में मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा जारी कम से कम दो 'ओपन-एंडेड' गिरफ्तारी वारंट अपने बेल्जियम समकक्षों के साथ साझा किए हैं।

पश्चिम बंगाल के भांगर में वक्फ कानून पर हिंसा की घटनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/मुर्शिदाबाद/मालदा/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में सोमवार को वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन में हिंसा की घटनाएं हुईं। वहीं, पुलिस ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद में कानून व्यवस्था की स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है।

इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों की भांगर में पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हिंसा के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया और कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई।

झड़पें उस वक्त शुरू हुईं जब पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को मध्य कोलकाता के रामलीला मैदान की ओर जाने से रोक दिया, जहां वे वक्फ कानून के खिलाफ रैली में शामिल होने जा रहे थे। इस रैली को आईएसएफ नेता और भांगर के विधायक नौशाद सिद्दीकी संबोधित कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, रैली में शामिल लोगों को बसंती राजमार्ग पर भोजेरहाट के पास रोक दिया गया, जहां भांगर के साथ-साथ मिनाखान और संदेशखालि जैसे पड़ोसी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आईएसएफ कार्यकर्ता एकत्र हुए थे।

तनाव उस वक्त बढ़ गया जब भीड़ ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''प्रदर्शनकारियों ने कुछ पुलिस वाहनों को आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों के हमले में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।''

लोगों को समय पर न्याय मिले, सरकार यह सुनिश्चित करने पर काम कर रही है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रही है कि लोगों को समय पर और उनकी संतुष्टि के अनुसार न्याय मिले।

शाह ने साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि मोदी सरकार ने फोरेंसिक विज्ञान को आपराधिक न्याय प्रणाली का हिस्सा बना दिया है। उन्होंने अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि अपराधियों द्वारा अक्सर राज्यों और देशों की सीमाओं को लांघने के कारण फोरेंसिक विज्ञान का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार आपराधिक न्याय प्रणाली को जन-केंद्रित और वैज्ञानिक बनाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि न्याय मांगने वाले व्यक्ति को समय पर न्याय मिले और उसे न्याय मिलने की संतुष्टि भी मिले।''

गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए फोरेंसिक विज्ञान बहुत उपयोगी है।

धोनी और दुबे के पराक्रम से

चेन्नई सुपर किंग्स को मिली दूसरी जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/एजेन्सी। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी (नाबाद 26)के हरफनमौला प्रदर्शन और शिवम दुबे की (नाबाद 43) रनों की जूझारु पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 30वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को तीन गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराकर टूनर्मिंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

क्षेत्ररक्षण के दौरान धोनी ने दो कैच पकड़े और लखनऊ के एक खिलाड़ी को रनआउट किया।

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शेख रशीद और रचिन रविंद्र ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। पांचवें ओवर में आवेश खान ने शेख रशीद (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद आठवें ओवर में एडन मारक्रम ने रचिन रविन्द्र को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। रविन्द्र ने 22 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (37) रन बनाये। इसके बाद रवि बिश्नाई ने राहुल त्रिपाठी (नौ) और रवींद्र जडेजा (सात) को अपना शिकार बना लिया। विजय शंकार (नौ) को राठी ने आउट किया। चार विकेट गवां कर संकट में फंसी चेन्नई के लिए बल्लेबाजी करने आये धोनी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 11 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 26) रनों की पारी खेली।

अगर हमदर्दी है तो मुसलमान को अध्यक्ष बनाए कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि यदि कांग्रेस को वास्तव में मुसलमानों से हमदर्दी है तो उसे किसी मुसलमान को अपना अध्यक्ष बनाना चाहिए और चुनाव में समुदाय के लोगों को 50 प्रतिशत टिकट देने चाहिए। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर तुष्टिकरण की नीति अपनाने का भी आरोप लगाया। हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखने और अयोध्या के लिए एक वाणिज्यिक उड़ान की शुरुआत के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने 2013 में वक्फ कानून में किए गए बदलावों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए और संविधान भी इसका निषेध करता है, लेकिन कर्नाटक की कांग्रेस नीत सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के अधिकारों को छीनकर धर्म के आधार पर निविदाओं में आरक्षण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति अपनाई, जिससे मुसलमानों में से केवल कुछ ''कट्टरपंथी'' ही ''खुश'' हुए, जबकि बाकी समुदाय उपेक्षित, अशिक्षित और गरीब बना रहा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की इस नीति का सबसे बड़ा सबूत 2014 के आम चुनावों से ठीक पहले वक्फ कानून में किए गए संशोधन हैं।

मोदी ने कहा, ''आजादी से लेकर 2013 तक वक्फ कानून था। लेकिन चुनाव जीतने और तुष्टिकरण तथा वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस ने 2013 के आखिर में जल्दबाजी में वक्फ कानून में संशोधन कर दिया ताकि उसे (कुछ महीने बाद 2014 में) चुनावों में वोट मिल सके।''

मोदी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए गए बदलाव ''बाबासाहेब का सबसे बड़ा अपमान'' हैं क्योंकि उन्होंने अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का उल्लंघन किया। उन्होंने सवाल किया, ''अगर उन्हें (कांग्रेस को) वाकई मुसलमानों से थोड़ी हमदर्दी है, तो उन्हें अपना अध्यक्ष मुस्लिम समुदाय से ही बनाना चाहिए। वे ऐसा क्यों नहीं करते?'' मोदी ने कांग्रेस से 50 प्रतिशत चुनाव टिकट मुस्लिम समुदाय के लोगों को देने को भी कहा। उन्होंने कहा, ''जीतने के बाद वे अपने विचार सामने रखेंगे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन वे (कांग्रेस) ऐसा नहीं करेंगे। वे कांग्रेस से कुछ नहीं देंगे, बल्कि नागरिकों के अधिकार छीन लेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस का कभी भी मुसलमानों सहित किसी का भला करने का कोई इरादा नहीं रहा। उन्होंने कहा, ''यही कांग्रेस की असली सच्चाई है।'' मोदी ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास देश में लाखों हेक्टेयर जमीन है जिसका इस्तेमाल गरीबों, बेसहारा महिलाओं और बच्चों के हित में किया जा सकता था। उन्होंने कहा, ''अगर इसका ईमानदारी से इस्तेमाल किया जाता तो मुस्लिम युवाओं को पंक्चर टायर ठीक करके अपनी जिंदगी नहीं गुजारनी पड़ती।''

मोदी ने कहा, ''इससे केवल मुट्ठी भर भू-माफियाओं को फायदा हुआ। पसमांदा मुसलमानों को कोई फायदा नहीं हुआ। ये भू-माफिया दलितों, वंचितों, आदिवासियों और विधवाओं की जमीन लूट रहे थे। सैकड़ों विधवा महिलाओं ने केंद्र को पत्र लिखा और फिर इस कानून पर बहस हुई।'' उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन के बाद गरीबों की ऐसी लूट बंद हो जाएगी। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद आठ अप्रैल से लागू किया गया। उन्होंने कहा, ''हमने वक्फ कानून में एक और संशोधन किया है। इसके तहत, वक्फ बोर्ड अब देश में किसी भी आदिवासी की जमीन और संपत्ति को छू भी नहीं सकता है।''

रालोजपा अब भाजपा नीत राजग का हिस्सा नहीं : पशुपति पारस

पटना/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा नहीं है, क्योंकि राजग ने उनके भतीजे चिराग पासवान का साथ देने का फैसला किया है। पारस ने अपने दिवंगत भाई रामविलास पासवान द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) से बगावत करते हुए 2021 में रालोजपा की स्थापना की थी। उन्होंने बीआर आंबेडकर की जयंती के अवसर पर पटना में रालोजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के राजग से अलग होने की घोषणा की। इस मौके पर पारस ने रामविलास पासवान को दूसरा आंबेडकर बताते हुए उन्हें भारत रत्न से अलंकृत करने की मांग भी की। पारस ने कहा, मैं 2014 से राजग के साथ रहा हूं। लेकिन, आज मैं घोषणा करता हूं कि अब से मेरी पार्टी का राजग के साथ कोई संबंध नहीं होगा।

अंबेडकर के शत्रु हैं भाजपा-आरएसएस, चुनाव हराने में सावरकर की भूमिका थी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का सिर्फ नाम लेती है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोग अंबेडकर के शत्रु हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कांग्रेस पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाए जाने को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि बाबासाहेब को चुनाव में हराने के लिए भाजपा के वैचारिक पूर्वज जिम्मेदार थे। खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा और आरएसएस का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि ये लोग बाबासाहेब के शत्रु हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों ने संविधान की प्रति जलाई, उनके चेले आज सत्ता में बैठे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर जी का अपमान किया है। जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब को संविधान सभा का सदस्य बनाया, मसौदा समिति का प्रमुख बनाया।'' उन्होंने अंबेडकर के एक पत्र की प्रति दिखाते हुए कहा, ''बाबासाहेब ने अपने एक मित्र को 18 जनवरी, 1952 में लिखे पत्र में खुद बताया था कि उन्हें हराने में एस.ए. डांगे (कम्युनिस्ट नेता) और विनायक सावरकर (हिंदू महासभा) का हाथ था। ये दोनों चाहते थे कि बाबासाहेब हार जाएं और यही उनकी मंशा थी।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जनता को गुमराह न करे, क्योंकि सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने दावा किया, ''हमने पहले संसद में बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, उसके बाद हमें संसद के सेंट्रल हॉल में बाबा साहेब को पुष्पांजलि देनी थी। इसका समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिसाब से बदला भी गया, लेकिन प्रधानमंत्री फिर भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने सेंट्रल हॉल नहीं पहुंचे।'' दूसरी तरफ़ प्रधानमंत्री मोदी ने अंबेडकर की जयंती पर कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान पार्टी ने अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्गों को ''दूसरे दर्जे का नागरिक'' बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नंगे पांव चलने वाले प्रशंसक की 14 साल पुरानी प्रतिज्ञा पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यमुनानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के यमुनानगर की यात्रा के दौरान अपने एक पुराने प्रशंसक से मुलाकात की, जिसने 14 साल पहले यह कसम खाई थी कि वह तभी जूते पहनेंगे, जब भाजपा के कद्दावर नेता प्रधानमंत्री बनेंगे और वह उनसे मुलाकात करेगा।

मोदी ने 'एक्स' पर रामपाल कश्यप के साथ अपनी मुलाकात का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने रामपाल कश्यप को एक जोड़ी नये जूते उपहार में दिये तथा उन्हें पहनने में भी मदद की।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यमुनानगर में आज की जनसभा में कैथल के रामपाल कश्यप जी से मिलने का सौभाग्य मिला। इन्होंने 14 वर्ष पहले एक व्रत लिया था कि 'मोदी जब तक प्रधानमंत्री नहीं बन जाते और मैं उनसे मिल नहीं लेता, तब तक जूते नहीं पहनूंगा।' मुझे आज उनको जूते पहनाने का अवसर मिला।

उन्होंने लिखा, मैं रामपाल जी जैसे लोगों के प्रति नतमस्तक हूं और उनके स्नेह को भी स्वीकार करता हूं। लेकिन मैं ऐसे व्रत लेने वाले सभी लोगों से अनुरोध करना चाहता हूं – मैं आपके प्यार की कद्र करता हूं... कृपया किसी ऐसे काम पर ध्यान दें जो सामाजिक कार्य और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा हो!

प्रधानमंत्री द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो में, सफेद कुर्ता-पायजामा पहने कश्यप नंगे पैर चलकर मोदी से मिलने आते हैं, जो उनसे हाथ मिलाकर उनका अभिवादन करते हैं।

जैसे ही दोनों सोफे पर बैठते हैं, मोदी कश्यप से पूछते हैं, आपने ऐसा क्यों किया (इतने लंबे समय तक नंगे पैर रहे)? आपने खुद को क्यों परेशान किया?

जैसे ही कश्यप जवाब देते हैं कि 14 साल हो गए हैं (जब से वह नंगे पैर रहे हैं), मोदी एक जोड़ी स्लेटी रंग के जूते उठाते हैं और उनसे कहते हैं, तो आज हम तुमको जूता पहना रहे हैं, लेकिन बाद में फिर कभी ऐसा करना नहीं।

'प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षा प्रवाह–शांति एवं शक्ति की ओर' के अंतर्गत सोमवार को तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 'प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। मुख्य प्रशिक्षक मंजू लुणिया का परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने दिया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका मंजू लुणिया ने प्रेक्षा ध्यान के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक तनाव से मुक्त होने के गुर सिखाए। डिप्रेशन को दूर करने में कायोत्सर्ग के महत्व को बताते हुए कायोत्सर्ग का प्रयोग करवाया। मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ. अनीता गौतम ने ऑडियो के माध्यम से अच्छे और बुरे डिप्रेशन के बारे में बताते हुए कहा कि डिप्रेशन से बचने के लिए हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें ,नींद अच्छी लें। पौष्टिक आहार, निरंतर योग, प्राणायाम एवं आसानों का प्रयोग करें। प्रेक्षा प्रशिक्षिका रेखा पितलिया एवं नीता सेठिया ने भी आसन एवं प्राणायाम के प्रयोग करवाए। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया तथा सुनीता पींचा ने धन्यवाद दिया।

साध्वीश्री पुण्ययशा ने नगर सीमा में किया मंगल प्रवेश

तेरापंथ भवन आरआर नगर में होगा चातुर्मास

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने विहार करते हुए राजराजेश्वरीनगर के चातुर्मास हेतु बेंगलूरु नगर की सीमा में सोमवार को मंगल प्रवेश किया। साध्वीश्री पुण्ययशाजी विहार कर टी.दासरहल्ली तेरापंथ सभा भवन पहुंचीं जहां तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मण्डल के पदाधिकारीगण एवं श्रावक–श्राविकाओं ने साध्वीश्री का स्वागत किया। तेरापंथी सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने विहार की सुखसाता पूछते हुए उनका भावभीना स्वागत किया। तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ तथा तेमम की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने स्वागत वक्तव्य दिया। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया तथा महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। आरआर नगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में कार्यक्रम का संयोजन किया गया।

साध्वी पुण्ययशाजी, विनीतयशाजी, बोधिप्रभाजी व वर्धमानयशाजी ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि गुरुकृपा से ही हम इतना लंबा विहार करके प्रथम बार दक्षिण भारत की यात्रा पर आए हैं। अब शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सार संभाल करते हुए चातुर्मासार्थ राजराजेश्वरी नगर पहुंचेंगे। दासरहल्ली महिला मंडल ने मंगलाचरण एवं सभा के अध्यक्ष भगवतीलाल जैन और तेयुप के अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने भी स्वागत किया।

मोहन यादव ने जैन मुनियों पर हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/ नीमच/भाषा। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में जैन मुनियों पर हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि सूबे में ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''मुझे जानकारी मिली है कि कुछ लोगों ने शराब पीकर जैन मुनियों के साथ दुर्व्यवहार किया था। हमने तुरंत पुलिस की टीम गठित करके सभी आरोपियों को पकड़ लिया है।'' उन्होंने कहा कि घटना के आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पुलिस ने बताया कि नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में धन नहीं दिये जाने पर रविवार और सोमवार की दरमियानी रात तीन जैन मुनियों पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला करने के आरोप में एक नाबालिग लड़के समेत छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। चित्तौड़गढ़, नीमच के नजदीक है। सिंगोली थाने के प्रभारी निरीक्षक भूरालाल भाभर ने संवाददाताओं को बताया,''जैन मुनि शैलेश मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी हनुमान मंदिर में विश्राम करने के लिए रुके थे, तभी आरोपी तीन मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और शराब पीने के बाद उन्होंने जैन मुनियों से पैसे मांगे।'' पुलिस के अनुसार तीनों जैन मुनियों के सिर और पीठ पर चोटें आईं हैं तथा उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने धार्मिक रीति–रिवाजों का हवाला देते हुए अपना इलाज कराने से इनकार कर दिया। जैन मुनियों के अनुसार सूर्यास्त के बाद ऐसा किया जाना वर्जित है। पुलिस ने बताया कि जैन मुनियों को सोमवार को सूर्योदय के बाद जैन समुदाय द्वारा संचालित चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। इस बीच, जैन समुदाय ने मुनियों पर हमले के विरोध में सोमवार को सिंगोली कस्बे में बंद का आह्वान किया। इस दौरान कस्बे की दुकानें बंद रहीं।

जैन मुनियों पर हमला करने के आरोप में राजस्थान के छह लोग गिरफ्तार

नीमच। मध्यप्रदेश के सिंगोली कस्बे में पैसे न दिये जाने पर रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात तीन जैन मुनियों पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला करने के आरोप में एक नाबालिग लड़के समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी गणपत नायक, गोपाल भोई, कन्हैया लाल, राजू भोई, बाबू शर्मा और नाबालिग राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। चित्तौड़गढ़ नीमच के नजदीक है।

सिंगोली थाने के प्रभारी निरीक्षक भूरा लाल भाभर ने संवाददाताओं को बताया, जैन मुनि शैलेश मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी हनुमान मंदिर में विश्राम करने के लिए रुके थे, तभी आरोपी तीन मोटरसाइकिलों से वहां पहुंचे और शराब पीने के बाद उन्होंने उनसे (जैन मुनियों से) पैसे मांगे। पुलिस के अनुसार, तीनों जैन मुनियों के सिर और पीठ पर चोटें आईं हैं तथा उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने धार्मिक रीति–रिवाजों का हवाला देते हुए इलाज कराने से इनकार कर दिया।

श्रीराम कथा प्रचार के लिए संपर्क अभियान चलाएगा श्रीराम परिवार

पैलेस ग्राउंड पर कथावाचक रामभद्राचार्य महाराज द्वारा होगी कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा बेंगलूरु में पहली बार आगामी 9 जून से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेज श्राइन सभागार में किया जा रहा है। इस कथा में पद्मविभूषण से सम्मानित प्रज्ञाचक्षु संतश्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज कथा का श्रवण करवाएंगे। कथा की तैयारियों के सिलसिले में रविवार को प्रिंसेज श्राइन सभागार में तैयारी बैठक में मुख्य यजमान, सह यजमान, दैनिक यजमान एवं उत्सव यजमान बनाने, आयोजन एवं स्वागत समिति सहित विभिन्न समितियों के गठन तथा जनसंपर्क अभियान चलाकर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं/संगठनों तथा सर्व समाज के सनातन धर्मप्रेमियों को जोड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विमर्श हुआ।

सचिव अजयप्रकाश पाण्डेय ने बताया कि संस्थापक संजय शुक्ला की अध्यक्षता में सनातन जागरण के इस अभियान में सबके सहयोग से इस कथा आयोजन को सम्पन्न किया जाए, ऐसा निर्णय लिया गया। इसके लिए संपर्क अभियान तेज किया जाएगा। बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व सुझाव भी रखे। बैठक में शोभा भल्ला ने एकदिवसीय उत्सव यजमान तथा विजयलक्ष्मी रेड्डी ने आरती यजमान बनने की घोषणा की। संजय शुक्ला, सत्यदेव पाण्डेय, मनीषा अग्रवाल एवं अंजू पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक में उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, सहसचिव राजीव शुक्ला, रोहित उपाध्याय, जय माँ दुर्गा पूजा समिति कामाक्षीपाल्या के मणिकांत झा, सुनील ठाकुर, मनोज पंडित, भारतीय जनसेवा संगठन के संजय शर्मा, मुकेश कोपरी तथा सीरवी समाज के सुरेश सीरवी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ आवाज उठाने वाले शंकरन नायर को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यमुनानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केरल में जन्मे अधिवक्ता सी शंकरन नायर को याद किया और अमृतसर में 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड को लेकर ब्रिटिश साम्राज्य से भिड़ने के लिए उनकी सराहना की।

दीनबंधु छोटूराम ताप विद्युत संयंत्र में 800 मेगावाट के 'अल्ट्रा–सुपरक्रिटिकल' ताप विद्युत संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से नायर के योगदान के बारे में जानने का आग्रह किया। उनकी यह टिप्पणी इस महीने के अंत में नायर के जीवन पर आधारित फिल्म 'केसरी–2' की रिलीज होने से पहले आई है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में जलियांवाला बाग हत्याकांड का उल्लेख किया और कहा कि अंग्रेजों की क्रूरता के कारण मरने वालों के अलावा एक पहलू ऐसा भी था, जिसे अंधेरे में रखा गया। उन्होंने कहा, ''यह पहलू मानवता की भावना और देश के साथ खड़े होने से जुड़ा है। उनका नाम शंकरन नायर था।'' मोदी ने उपस्थित लोगों से कहा, ''आप में से किसी ने भी उनका नाम नहीं सुना होगा। लेकिन इन दिनों, उनके बारे में बहुत चर्चा हो रही है। नायर जी एक प्रसिद्ध वकील थे और तत्कालीन ब्रिटिश सरकार में उनका पद बहुत ऊंचा था। वह सत्ता और सभी सुख–सुविधाओं का आनंद ले सकते थे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लेकिन नायर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड से आहत होकर ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया। मोदी ने कहा, ''उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और अपना पद छोड़ दिया। वह केरल के थे और घटना पंजाब में हुई थी। उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड पर मुकदमा लड़ने का फैसला किया। उन्होंने लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर ब्रिटिश सरकार को अदालत में भी घसीटा।

उन्होंने कहा, ''यह न केवल मानवता के साथ खड़े होने का मामला था, बल्कि यह 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' का भी एक बेहतरीन उदाहरण था। कैसे केरल के एक व्यक्ति ने पंजाब में हुई एक घटना में ब्रिटिश साम्राज्य का सामना किया। ऐसी भावना हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम के पीछे की असली प्रेरणा थी। यह हमारी 'विकसित भारत' यात्रा की सबसे बड़ी ताकत है।''

भाजपा मजबूरी में अंबेडकर के आगे झुकती है : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बी आर अंबेडकर के सामने ''मजबूरी में'' झुकती है, लेकिन उनके आदर्शों को बरकरार रखने में विफल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की इस टिप्पणी पर भाजपा की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में यहां आप मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा, ''हम अपनी पार्टी और सरकार चलाते समय बाबा साहब के रास्ते पर चलने की कोशिश करते हैं। आज कई पार्टियां और नेता उन्हें केवल दिखावे के लिए याद करते हैं, वे उनके आदर्शों का पालन नहीं करते। उदाहरण के लिए, कोई भी अन्य पार्टी शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देती, जो उनके मूल सिद्धांतों में से एक था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की भाजपा नीत सरकार सरकारी स्कूलों में पिछली आप सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को रोककर अंबेडकर के दृष्टिकोण के खिलाफ काम कर रही है। केजरीवाल ने दावा किया, ''मुझे एक भाजपा शासित राज्य का नाम बताइए जहां शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ हो। पहले मैं सोचता था कि उनमें शिक्षा में सुधार करने की क्षमता नहीं है, लेकिन अब मुझे यकीन हो गया है कि वे ऐसा करना ही नहीं चाहते। वे मजबूरी में बाबा साहब के सामने झुकते हैं। वे उन्हें पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसका कई लोगों ने विरोध किया था।''

रेदासानी बॉक्स क्रिकेट कप सीजन 3 के लिए हुआ खिलाड़ियों का ऑक्शन

ब्यावर संघ युवा शाखा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बीएसपीएल तीसरे सीजन के रेदासनी बॉक्स क्रिकेट' प्रतियोगिता के खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न हुआ। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी 12 टीमों के प्रायोजकों और टीम ओनर्स व 120 खिलाड़ियों का स्वागत किया। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने प्रतियोगिता की रूपरेखा बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, लेडीज विंग की संयोजिका कंचन छाजेड़, जिया हिंगड़ और युवा शाखा के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन से किया। उपाध्यक्ष विकास खटोड़, सज्जनराज कोठारी, महिला विंग की चन्द्रकला डाकलिया, संगीता पारख ने विनर और रनर अप ट्रॉफी का अनावरण किया। सहमंत्री नरेश बोहरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के मुख्य कप प्रायोजक संतोष देवी, चेतनकुमार–रश्मि रेदासानी परिवार व भोजन प्रायोजक जयप्रकाश प्रभावती मकाना परिवार है। सभी खिलाड़ियों के लिए टी–शर्ट प्रायोजक सज्जनराज अमितकुमार शीतलकुमार कोठारी, कैप प्रायोजक गुमानमल पदमचंद बोहरा, किट प्रायोजक इंद्रादेवी सुरेंद्रकुमार गोलेच्छा, टॉस का बॉस सुनीलकुमार शुभमकुमार छाजेड़, एनर्जी ड्रिंक प्रायोजक नोरतमल, धीरज नाहर, बुल्स आइ प्रायोजक राकेश रिंकू बाफना हैं।

इस टूर्नामेंट में पंजाबी तड़का, रांका'स बॉलर ऑन स्ट्राइक, कुमट वारियर्स, तनिष्का'स तूफ़ान, मणिधारी स्टोन्स, कोठारी'स एलजीसी चैलेंजर्स, एक्युरेट चैलेंजर्स, माँ क्रिएशन्स, दिनेश एसोसिएट्स वॉरियर्स, तातेड़–11, अपोलो–11, मयूर कम्प्यूटर मार्बल्स टीम भाग ले रही हैं। खेल समिति के यश रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढ़ा ने कार्यक्रम का संयोजन किया। शाखा के अन्य सदस्यों ने विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला।

भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं ट्रंप के शुल्क: स्कोडा एमडी

मुंबई/भाषा। वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने सोमवार को कहा कि वह ट्रंप प्रशासन के जवाबी शुल्क का समर्थन नहीं करती है लेकिन इस कदम से लंबी अवधि में उद्योगों के लिए नये अवसर खुल सकते हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने उन देशों को जवाबी शुल्क से 90 दिनों की राहत दी है, जिन्होंने अमेरिकी कार्यवाही के जवाब में कोई कदम नहीं उठाया था।

स्कोडा ऑटो भारत में पूरी तरह तैयार इकाई (सीबीयू) के रूप में कारों के आयात से संबंधित कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी के लिए 11,000 करोड़ रुपए के कारण बताओ नोटिस का सामना कर रही है। इस बीच, कंपनी ने 49 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर नई फॉक्सवैगन टिगुआन आर लाइन को पेश किया।

इस मौके पर स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक पीयूष अरोड़ा ने यहां पीटीआई–भाषा से कहा, ''बेशक, हम जवाबी शुल्क का समर्थन नहीं करते हैं, लेकिन साथ ही द्विपक्षीय व्यापार या मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये भारत में भी अर्थव्यवस्था को खोलने के बारे में बहुत सारी चर्चाएं हो रही हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समूह हमेशा मुक्त व्यापार और ग्राहकों तथा उनके लाभों के लिए देशों के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है।

गुजरात में गोद लिए गांवों में परियोजनाओं की प्रगति से खुश हूं : जयशंकर

राजपीपला (गुजरात)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को गुजरात के आदिवासी बहुल नर्मदा जिले में गोद लिए गए गांवों में शुरू की गईं विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जयशंकर का सोमवार से गुजरात का तीन दिवसीय दौरा शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत नर्मदा जिले के विभिन्न तालुकों में अपने द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवों का दौरा किया। वह गांवों का निरीक्षण करने और विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए नर्मदा में दो दिन बिताएंगे। सोमवार को उन्होंने जेतपुर में महिलाओं के लिए प्रसव एवं प्रसूति पुनर्वास परिसर का भूमिपूजन किया, कोलवन और सागई में इसी प्रकार के केंद्रों की आधारशिला रखी तथा गरुड़ेश्वर के लिए एमपीएलएडी योजना के तहत एक नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई।

विपक्ष ने अंबेडकर के नाम का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए किया: भाजपा मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने सोमवार को विपक्ष पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत या उनके द्वारा निर्धारित संवैधानिक ढांचे का सम्मान किए बिना राजनीतिक लाभ के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कुमार ने डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए ने कहा, विपक्ष ने जीवन भर केवल बाबासाहब के नाम का इस्तेमाल किया है। उन्होंने न तो उनका दर्द साझा किया और न ही उनकी विरासत से जुड़े स्थानों को विकसित करने के लिए काम किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा, आज वे संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं, लेकिन जब वे सत्ता में थे, तो उन्होंने कई बार इसका उल्लंघन किया। उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए संविधान संशोधन के माध्यम से आपातकाल भी लगाया। पचास प्रतिशत आरक्षण सीमा पर बहस पर कुमार ने कहा, इंदिरा साहनी मामले में 50 प्रतिशत की सीमा उच्चतम न्यायालय ने तय की थी। वे (विपक्ष) जो चाहें कह सकते हैं, आप किसी को बयान देने से नहीं रोक सकते। लेकिन राय देना एक बात है और उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करना पूरी तरह से अलग बात है।

जय महावीर डायलेसिस सेंटर ने किया लाभार्थियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हलसूर स्थित कर्नाटक जैन रिलीफ फाउंडेशन के जय महावीर डायलेसिस सेंटर में विभिन्न लाभार्थियों का सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि यह सेंटर पिछले तीन वर्षों से प्रतिदिन 25 से 30 ज़रूरतमंदों की रियायती दामों पर डायलेसिस कर रहा है। इस मौके पर डायलेसिस सेंटर में मशीनें प्रदान करने वाले दानदाताओं जयप्रकाश मकाना, ज्योति सुनील रांका, मिलापचंद भंडारी, गौतमचंद गादिया, रोटरी क्लब के विजयकुमार एवं नरेंद्रकुमार को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डायलेसिस सेवा हेतु लाइफटाइम डोनर बसन्तकुमार सुराणा, स्थानकवासी जैन संघ हलसूर से सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश व अशोक बोहरा ने किया। जवाहरलाल बोहरा ने मांगलिक प्रदान किया। तेजराज लोढ़ा ने धन्यवाद दिया।

जम्मू-कश्मीर का विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र आत्मनिर्भर केंद्र शासित प्रदेश को बढ़ावा देगा : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को इस क्षेत्र में एक निजी कंपनी की विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया और कहा कि विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र ''आत्मनिर्भर केंद्र शासित प्रदेश'' के मिशन को गति देने की ओर बढ़ रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रगतिशील औद्योगिक नीति और कुछ वर्षों में कई प्रमुख हस्तक्षेपों ने जम्मू–कश्मीर के प्रति निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है।

कठुआ जिले में सुपीरियर पॉलिमर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की विनिर्माण इकाई का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करने के बाद सिन्हा ने कहा, ''केंद्र शासित प्रदेश का विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ रहा है, और औद्योगिक विकास के

लिए समर्पित आज की परियोजना, आत्मनिर्भर जम्मू–कश्मीर के मिशन को गति देगी।'' उन्होंने कहा कि इस नई परियोजना की शुरुआत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन पर सकारात्मक प्रभाव डालने और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ाने में मदद करेगी।

उपराज्यपाल ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रशासन जम्मू–कश्मीर में औद्योगिक क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने कहा, ''हमने औद्योगिक नौकरियों के लिए तैयार कार्यबल सुनिश्चित किया है। हमने कुशल कार्यबल को व्यापक बनाने के लिए समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाया है। औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के बाद हमारे हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात में उछाल आया है।'' उन्होंने कहा कि प्रगतिशील औद्योगिक नीति और पिछले कुछ वर्षों में कई प्रमुख हस्तक्षेपों ने जम्मू–कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और निजी निवेश को आकर्षित किया है।

कांग्रेस अपनी विफलता को छिपाने के लिए केंद्र के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगा रही है तथा केंद्र के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है।

सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब 2004 से 2014 तक यूपीए सरकार सत्ता में थी, तो 10 वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसी तरह उन्होंने डीजल की कीमत में 96 प्रतिशत की वृद्धि की थी। हालाँकि, नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तहत, 2014 से 2024 के बीच पेट्रोल की कीमत 72 रुपये से बढ़कर 100 रुपये हो गई है। इसमें 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डीजल का दाम 55 रुपये है। यह 90 रुपये है। यह है। उन्होंने कहा कि यह 63 प्रतिशत की वृद्धि है।

विजयेन्द्र ने आरोप लगाया कि अतीत में जब यूपीए सरकार सत्ता में थी, तब तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद घोटाले होते रहे और कोई योजना शुरू नहीं की गई। इससे पहले डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान 2जी घोटाला, कोयला घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाला समेत 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले हुए थे। देश में इतने बड़े घोटाले पहले कभी नहीं हुए। लेकिन उन्होंने कहा कि तत्कालीन यूपीए सरकार कोई भी जनहितैषी योजना उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही।

जनाक्रोश यात्रा के बारे में बताते हुए विजयेन्द्र ने कहा कि जनाक्रोश यात्रा 9 जिलों में गई है। हमने 1,115 किलोमीटर की यात्रा की। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में राज्य के सभी पार्टी नेताओं ने भाग लिया। मैसूरु, मंड्या, हासन, कोड्गु, मेंगलूरु, उडुप्पी, चिकमंगलूर, येल्लापुर, शिवमोग्गा में हजारों लोगों ने संघर्ष यात्रा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि जनाक्रोश यात्रा के हमारे प्रथम चरण में कुल मिलाकर 50 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सोशल मीडिया पर इस यात्रा को 3.50 करोड़ लोगों ने देखा है। इस यात्रा ने राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनजागृति पैदा की है। हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप सत्तारूढ़ पार्टी चिंतित है; वह डरे हुए है। यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी 17 तारीख को केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ने की योजना बना रहे हैं। यह तो बस एक पाखंडपूर्ण नाटक है। जनता को गारंटी का भ्रम दूर हो रहा है। उन्हें एहसास हो रहा है कि यह वास्तविक सच्चाई नहीं है।

जाति सर्वेक्षण के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, यह 10 साल पुरानी रिपोर्ट है। आप मुख्यमंत्री हैं। आपकी अपनी सरकार है। उन्होंने मांग की कि सर्वेक्षण दोबारा कराया जाए। पुनः सर्वेक्षण करें, वैज्ञानिक तरीके से करें; उन्होंने कहा कि सभी की बैठक बुलाकर इसे लागू किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि यह एक अवैज्ञानिक और पुरानी रिपोर्ट है। इसे कूड़े में फेंक देना चाहिए। विजयेन्द्र ने कहा कि पहले राज्य सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करे। अगर मुख्यमंत्री एक बात कहते हैं तो उपमुख्यमंत्री दूसरी बात कहते हैं। एम.बी. पाटिल और परमेश्वर ने अलग-अलग बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर असमंजस की स्थिति है। उन्होंने कहा कि अगर वास्तव में चिंता है तो मुख्यमंत्री को कैबिनेट बैठक में रिपोर्ट के पक्ष-विपक्ष पर चर्चा करनी चाहिए। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस पर बाबर और तुगलक जैसे आतंकवादियों की शैली में कर लगाने का आरोप लगाया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

अंबेडकर ने खुद लिखा था कि चुनावों में मेरी हार के लिए सावरकर जिम्मेदार थे : सिद्दरामय्या

आज से 32 जिलों में कुल 33 डीसीआरई पुलिस थाने चालू हो जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से एक केंद्रीय डीसीआरई स्टेशन का उद्घाटन किया है। बेंगलूरु में दो डीसीआरई (नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय) स्टेशन बने हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मैसूरु विश्वविद्यालय में एक संविधान पीठ स्थापित की जाएगी तथा आंध्र मॉडल से आगे बढ़कर बेंगलूरु में एक विशाल अंबेडकर की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंबेडकर ने स्वयं लिखा कि चुनावों में उनकी हार के लिए सावरकर जिम्मेदार थे। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मनु कार्यकर्ताओं की यह कहकर आलोचना की कि वे यह झूठ फैला रहे हैं कि अंबेडकर की हार के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। उन्होंने संविधान निर्माता और महान मानवतावादी डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए यह बात कही, जो विधान सौधा की भव्य सीढ़ियों पर आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि मनुवादी ऐसे व्यवहार कर रहे हैं मानो उन्हें अंबेडकर से प्रेम हो गया है। लेकिन वे ही थे जिन्होंने सबसे पहले संविधान का विरोध किया था। उन्होंने इन मनु कार्यकर्ताओं की आलोचना करते हुए कहा कि वे संविधान के कार्यान्वयन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान लागू होने के 75 साल बाद हम विरोधाभासों के समाज में प्रवेश कर रहे हैं। यदि संविधान की आकांक्षाओं को पूरा करना है तो असमानता और अस्पृश्यता को समाप्त करना होगा। अम्बेडकर ने कहा था कि जब तक जाति व्यवस्था रहेगी, समानता नहीं आएगी और अस्पृश्यता समाप्त नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे बजट का आकार बढ़ता है, एससीपी/टीएसपी निधि में भी वृद्धि होनी चाहिए।

लेकिन भाजपा सरकार ने इसे कम कर दिया। लेकिन सत्ता में आने के बाद हमने योजना आकार के अनुसार इसे फिर से बढ़ा दिया। इस बार हमने 42018 करोड़ रुपए निकाले हैं। भाजपा ने एससीएसपी/टीएसपी फंड के 8300 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया है। पर वे बेशर्मी से हम पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर की आकांक्षाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमने गारंटी योजनाएं लागू की हैं और अपने लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाई है। बाबा साहेब एक इंसान थे, जो देश भर में सैकड़ों वंचित जाति समुदायों के लिए शिक्षा का कारण बने। हमारी सरकार बहुलवादी देश और भाईचारे वाले समाज के निर्माण के लिए अंबेडकर द्वारा बताए गए मार्ग पर चल रही है। इसे पहले उन्होंने विधान सौधा के सामने स्थित अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण मुख्यमंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित अनेक मंत्री उपस्थित थे।

जनता के धिक्कारने के चलते आज कांग्रेस को अम्बेडकर याद आ रहे हैं : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज जनता कांग्रेस को ललकार रही है। तो कांग्रेस को अब डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर याद आ रहे हैं। डॉ. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में अम्बेडकर जयंती के मौके पर उन्हें अपनी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को संविधान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य और देश के लोगों को यह सच्चाई जानने की जरूरत है कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर के साथ कैसा व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि यह सच है कि ऐसे महान सपूत को कांग्रेस ने नहीं पहचाना। अटलबिहारी वाजपेयी ने नेतृत्व वाली वीपी सिंह समर्थित सरकार ने बाबा साहेब को भारत रत्न से नवाजा। वह भारत के सच्चे रत्न थे। आजादी के बाद कांग्रेस ने लम्बे समय तक लगभग 50-55 साल तक देश में राज्य किया। लेकिन इस दौरान उन्होंने कभी अम्बेडकर को याद नहीं किया। गांधी परिवार ने 40-45 वर्षों तक स्वयं राज्य किया लेकिन उस दौरान उन्हें अम्बेडकर की याद नहीं आई। किसी ने उन्हें भारत रत्न से नहीं नवाजा। जबकि गांधी परिवार में तीन को भारत रत्न मिला।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा, डॉ. उन्होंने विश्लेषण किया कि बाबासाहेब अंबेडकर अपने जीवनकाल की तुलना में अब अधिक प्रासंगिक हैं। क्या इतने लम्बे समय तक हम पर शासन करने वालों ने हमारी कमियों को दूर किया है? क्या आपने समस्याएं हल कर ली हैं? उन्होंने सवाल किया कांग्रेस पार्टी कई सच्चाइयों को छिपा रही है और समाज को कुछ और दिखा रही है। मैं भी कांग्रेस के अंधेरे कमरों की सच्चाई से वाकिफ हूं। अब एक-एक करके सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस को ब्लैकमेल किया जा रहा है। इस अवसर पर विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य महासचिव प्रीतम गौड़ा और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मंत्रिमंडल में चर्चा के बाद जाति रिपोर्ट पर बोलूंगा : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि वह जाति जनगणना रिपोर्ट पर 17 अप्रैल को बुलाई गई मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में चर्चा के बाद ही बोलेंगे। सिद्दरामय्या ने कहा कि तब तक वह इससे संबंधित किसी भी बात पर टिप्पणी नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने इस एकमात्र विषय पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई है। वहां हम चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद मैं (इस विषय पर) बोलूंगा। वह यहां भारतीय संविधान के निर्माता बी आर अंबेडकर को उनकी 134वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 11 अप्रैल को सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण को मंजूर कर लिया। ऐसे सर्वेक्षण को 'जाति जनगणना' कहा जाता है।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को, उसके तत्कालीन अध्यक्ष एच कंथाराजू के नेतृत्व में, जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था। सर्वेक्षण का काम 2018 में सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल के अंत में पूरा हुआ और रिपोर्ट को कंथाराजू के उत्तराधिकारी के जयप्रकाश हेगड़े ने फरवरी 2024 में अंतिम रूप दिया।

सिद्दरामय्या ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस आरोप को निराधार बताया कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में अंबेडकर को हरवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबेडकर ने एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर और कम्युनिस्ट नेता श्रीपाद अमृत डांगे उनकी हार के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा महात्मा गांधी, अंबेडकर और देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की विरासत पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, ''जिन्होंने अंबेडकर का विरोध किया और महात्मा गांधी की हत्या की, वे उनकी विरासत पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रामीणों को चिंता करने की जरूरत नहीं : प्रमोदा देवी वाडियार ने जमीन पर अपने दावे को लेकर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्ववर्ती मैसूरु राजघराने की प्रमोदा देवी वाडियार ने सोमवार को कहा कि चामराजनगर जिले के सिद्धयानपुरा के निवासियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि भले ही जिस जमीन पर उन्होंने दावा किया है वह शाही परिवार के नाम पर पायी जाए, वह कोई कदम नहीं उठाएंगी। यह आश्वासन तब आया जब वाडियार ने कहा कि सिद्धयानपुरा में 4,500 एकड़ से अधिक भूमि, मैसूरु के पूर्ववर्ती महाराजा और भारत सरकार के बीच फरवरी 1951 में हुए एक समझौते के अनुसार पूर्व शाही परिवार की है।

हाल ही में जब राज्य सरकार ने सिद्धयानपुरा को राजस्व गांव घोषित करने की दिशा में कदम बढ़ाया, तो वाडियार ने चामराजनगर के उपायुक्त और तहसीलदार तथा कर्नाटक सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में एक पत्र भेजा, जिसमें कहा गया कि मैसूरु के पूर्व शाही परिवार के पास गांव में जमीन का एक टुकड़ा है, जिसे वे राजस्व गांव घोषित करना चाहते हैं। इससे घबराये हुए ग्रामीणों ने मामले को सुलझाने के लिए उपायुक्त से सम्पर्क किया और यहां तक दावा किया कि तत्कालीन मैसूरु महाराजा ने उन्हें जमीन उपहार में दी है।

सिद्धयानपुरा के लोगों के बीच भ्रम को दूर करने के लिए वाडियार ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें नहीं पता कि गांव वाले क्यों डरे हुए हैं। मैं इस समय यहां कह रही हूं कि उन्हें अभी या भविष्य में भी डरने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें आश्वासन दे रही हूं कि भले ही खाता (भूमि रिकार्ड) हमारे नाम पर आये, उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।'' हालांकि, उन्होंने शिकायत की कि उपायुक्त ने संपत्ति की स्थिति के बारे में कोई दस्तावेज नहीं दिया। वाडियार ने हैरानी जतायी कि लोग क्यों डरे हुए हैं।

उन्होंने कहा, ''मैं शहर से बाहर थी और मुझे इस मामले की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मुझे इस बारे में तभी पता चला जब मैंने इसके बारे में पढ़ा। मुझे नहीं पता कि किसने उनमें भय उत्पन्न किया और मुझे इस बात की भी जानकारी नहीं है कि जमीनी स्तर पर क्या हुआ।'' ग्रामीणों के इस दावे के बारे में कि मैसूरु के पूर्व महाराजा ने उन्हें उपहार के रूप में भूमि दी थी, वाडियार ने कहा, यदि मैसूरु के (पूर्व) महाराजा ने उन्हें उपहार दिया था तो क्या हमें उनसे इसे वापस छीनने की आवश्यकता है? उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्राधिकारियों ने जब इसे राजस्व गांव बनाने का फैसला किया तो वे उन्हें जमीन की स्थिति के बारे में बता सकते थे।

उन्होंने कहा, अगर जमीन हमारे नाम पर चढ़ भी जाती है तो भी मैं ऐसी स्थिति पैदा नहीं करूंगी जिससे उन्हें डर लगे। मैं इससे ज्यादा आश्वासन नहीं दे सकती। हम राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे और सरकार को हस्तक्षेप करने की कोई जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के लिए तैयार की जाति जनगणना की रिपोर्ट : निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने सोमवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय जेपी भवन में अम्बेडकर जयंती के मौके पर उन्हें अपनी पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर मुख्यमंत्री की आलोचना की। उन्होंने मजाक में कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट सिद्दरामय्या द्वारा सिद्दरामय्या के लिए तैयार की गई रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए तैयार की है। निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि हमारे राज्य में सात करोड़ कन्नड़ लोग हैं। इस बात का रिकार्ड होना चाहिए कि सर्वेक्षणकर्ताओं ने कितने घरों का दौरा किया। हमारे पिता, जो केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री हैं, के घर पर सर्वे करने कोई नहीं आया। इसी प्रकार, हमारे दादाजी, इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री थे किसी ने भी उनके घर का दौरा नहीं किया और न ही सर्वेक्षण किया। मैं ऐसे अनगिनत उदाहरण दे सकता हूं। मुझे जनगणना पर ही संदेह है। जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की जानी थी, प्रत्येक परिवार के घर-घर जाकर जानकारी जुटाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि तथाकथित जाति जनगणना के कुछ आंकड़े लीक हो गए हैं। सभी समाचार पत्र और समाचार चैनल ये आंकड़े प्रकाशित कर रहे हैं। ये आंकड़े किसने जारी या लीक किये? इसकी जांच होनी चाहिए। रिपोर्ट अभी तक आधिकारिक तौर पर जारी नहीं की गई है। ये आंकड़े हर जगह मिल जाएंगे। हालाँकि, यह अनौपचारिक जानकारी है, काल्पनिक आंकड़े है। मेरा मानना है कि यह सरकार द्वारा लीक किया गया अनाधिकारिक डेटा है। निखिल कुमारस्वामी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि सिद्दरामय्या यह देखने के लिए परीक्षण कर रहे हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र में इन आंकड़ों का क्या प्रभाव पड़ रहा है। किस प्रकार की चर्चा समाज में चलर ही है।

लोकार्पण

बेंगलूरु के महालक्ष्मी लेआउट में नवनिर्मित श्री अभय अंजनैया स्वामी मंदिर के लोकार्पण और तीन दिवसीय हनुमद्जयंती महोत्सव में उपस्थित श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ के प्रमुख श्री श्री श्री डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी, श्री श्री सौम्यनाथ स्वामीजी, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद तेजस्वी सूर्या, विधायक के. गोपालैया, एम कृष्णप्पा, प्रियकृष्ण और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कन्नड़ अभिनेता 'बैंक' जनार्दन का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ अभिनेता 'बैंक' जनार्दन का रविवार देर रात यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार के लोगों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिनेता का निधन देर रात करीब 2.30 बजे हुआ। हास्य भूमिकाओं के लिए मशहूर जनार्दन 76 साल के थे।

मूल रूप से चित्रदुर्गा जिले के होलालकेरे के रहने वाले जनार्दन के परिवार में एक बेटा और तीन बेटियां हैं। जनार्दन के बेटे गुरु के अनुसार, पिछले बीस दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीच में वह ठीक हो गए थे और घर आ गए थे, लेकिन शुक्रवार को उन्हें फिर से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, क्योंकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। जनार्दन गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती थे। कल रात सांस लेने में गंभीर समस्या के कारण स्थिति और जटिल होने के बाद किडनी फेल हो गई, और करीब 2.30 बजे उनकी मौत हो गई।

जनार्दन ने कई टेलीविजन धारावाहिकों और 500 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। कहा जाता है कि वह फिल्म जगत के साथ बैंक में भी काम करते थे। इसी वजह से लोग उन्हें बैंक' जनार्दन कहने लगे और यही नाम उनके साथ जुड़ गया। उन्होंने कई नाटकों में भी अभिनय किया।

तमिल नववर्ष 'विश्ववसु' उत्साह के साथ मनाया गया

चेन्नई। तमिल नववर्ष 'विश्ववसु' सोमवार को पूरे तमिलनाडु में हर बार की तरह उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। तमिल महीने 'चिथिरई' से नये साल की शुरुआत होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी। समृद्ध एवं सफल नववर्ष की प्रार्थना करने के लिए लोग चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली सहित अन्य जगहों पर विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों में पहुंचे। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'तमिल पुथांडु' (नये साल) की शुभकामनाएं देते हुए हर ओर खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा, यह नया साल खुशहाली, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आए। सभी को अच्छा स्वास्थ्य मिले।'' कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, ''यह नया साल आपके लिए सद्भाव, समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आए।''

शुद्धिपत्र

यह 10 अप्रैल 2025 को अनंतपुर II REZ ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना विज्ञापन के संदर्भ में है। निम्नलिखित पंक्ति गांवों के नाम से पहले डाला जाएगा.

''योजना के अंतर्गत शामिल पारेषण लाइनें निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेंगी.''

समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। शर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इसी भावना को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर संविधान संशोधन किया गया और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जब जीवित थे, तब उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया गया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है। प्रदेश में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं। साथ ही, हमने पेंशन राशि 1,000 से बढ़ाकर अब 1,250 रुपए प्रतिमाह की है। बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत हर महीने 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं सरकार विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना के माध्यम से 60 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। शर्मा ने दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। इस योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक के बच्चों को 56 दुर्लभ बीमारियों के लिए 50 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां बाबा साहब के आदर्शों को जाने-समझें और प्रेरणा लें। इसी क्रम में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की शुरुआत की गई है।

भजनलाल ने भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर नमन किया। इस अवसर पर शर्मा ने अम्बेडकर सर्किल स्थित डा अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पूर्व मंत्री एवं विधायक कालीचरण सराफ, नगर निगम ग्रेजर जयपुर की महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौज़ूद थे। इससे पहले शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर डा अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस : साहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस सोलह अप्रैल को समारोहपूर्वक पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया जायेगा। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस बुधवार को राज्य स्तर, रेंज, जिला, यूनिट, प्रशिक्षण संस्थान स्तर पर हर वर्ष की भांति धूमधाम से मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन राजस्थान पुलिस अकादमी में किया जायेगा। साहू ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह की श्रंखला में मंगलवार को बच्चों की क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिनके विजेता एवं उनके अभिभावकों को बुधवार को मुख्य समारोह में आमंत्रित किया जायेगा। 15 एवं 16 अप्रैल को सभी पुलिस कार्यालयों एवं परिसरों में सफाई एवं पौधारोपण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि चयनित थानों में स्कूल के बच्चों का भ्रमण एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, पुलिस लाईन आयुक्तालय, जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण पुलिस लाईन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में जयपुर स्थित पुलिस कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों एवं स्वयंसेवकों के द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया जाए। साहू ने बताया कि राज्य में रेंज मुख्यालय, जिला, यूनिट एवं प्रशिक्षण संस्थान में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के कार्यक्रम के तहत मंगलवार एवं बुधवार को स्वच्छता कार्यक्रम, पौधारोपण, रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

इसके तहत रेंज एवं जिला पुलिस के सभी कार्यालयों, पुलिस लाईन्स, पुलिस थानों, पुलिस चौकियों में साफ-सफाई एवं पौधारोपण किया जाना है। इस दौरान जिला पुलिस लाईनों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाए। मंगलवार की संध्या पर जिला पुलिस लाईन, आरएसी बटालियन मुख्यालय एवं प्रशिक्षण संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसके अन्तर्गत खेलकूद, वाद-विवाद, कविता वाचन, नृत्य प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए पुलिस कार्मिकों के परिवारजनों को भी आमन्त्रित किया जायेगा। इस समारोह में पुलिसकार्मिकों के बच्चे, जिन्होंने खेलकूद, पढाई एवं अन्य गतिविधि में अच्छा योगदान एवं प्रदर्शन किया है।

संविधान की मूल भावना की हो रही है अवेहलना : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने संविधान निर्माता डा भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को आज पहले से अधिक प्रासंगिक बताते हुए कहा है कि इसकी मूल भावना का आदर करना प्रत्येक नागरिक एवं विशेष रुप से प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी हैं लेकिन दुर्भाग्यवश देश में जो हालात निर्मित हुए है आज सिर्फ अंबेडकर मूर्ति पर फूल मालाए तो चढ़ रही हैं मगर संविधान की मूल भावना की अवेहलना की जा रही हैं। पायलट ने सोमवार को यहां डा अंबेडकर जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि डा अंबेडकर जयंती के मौके पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया गया।

डा अंबेडकर जिस संविधान का निर्माण करके गये, वह संविधान आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। संविधान की मूल भावना का आदर करना प्रत्येक नागरिक एवं विशेष रुप से प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी हैं लेकिन दुर्भागयवश देश में जो हालात निर्मित हुए है आज सिर्फ अंबेडकर मूर्ति पर फूल मालाए चढ़ रही हैं मगर संविधान की जो मूल भावना है, उसकी अवेहलना हो रही हैं। जो वंचित वर्ग एवं शोषित, आदिवासी सबको अलग तरह के माहौल में जीने को विवश आज व्यवस्था ने कर रखा हैं।

उन्होंने कहा कि जिन संवैधानिक संस्थाओं को 70 सालों से अलग अलग सरकारों ने पोषित किया है, वर्तमान सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की सरकार, इन संस्थाओं को खोखला एवं कमजोर करने का काम किया गया हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। अगर डा अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो संविधान का सम्मान हो, सिर्फ भाषण नहीं दिया जाये और अपनी कार्यप्रणाली में सरकार के माध्यम से न्याय पहुंचे। आज दलितों एवं वंचित वर्ग के साथ जानबूझकर प्रताड़ना की जा रही है। असामाजिक तत्वों को छूट मिल रही हैं और उनके हौसले बुलंद क्यों है, देश में अनेक घटनाएं घट रही है जिसकी कोई जवाबदेही तय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारों को डा अंबेडकर के बताये रास्ते पर चलना चाहिए। एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि यह सही बात है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को केवल उनके क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए और उन्हें प्रदेश में दौरे कर पूरे प्रदेश को लाभ पहुंचाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि श्रीमती राजे ने राज्य सरकार की पोल खोल दी और उन्होंने सरकार के काम करने के तरीके को कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार का काम केवल जुमलेबाजी रह गया और मंत्रियों में खींचतान हो रही हैं तथा अफसरशाही हावी हो रही है। प्रदेश में राजनीतिक व्यवस्था को अपने पक्ष करने के लिए जानबूझकर परिसीमन किया जा रहा है। यह वोट को देखकर किया जा रहा है जो गलत हैं और यह संविधान की भावना के विपरीत हैं जिसका हम विरोध कर रहे हैं। पायलट ने वक्फ संशोधित बिल पर कहा कि यह जनता का ध्यान भटकाने के लिए बनाया गया हैं। अमरीका ने टैरिफ लगा दिया है, देश में अर्थ व्यवस्था के जो हाल हो गए हैं, ऐतिहासिक रिण देश के ऊपर हैं, इन पर से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सरकार हमेशा करती आई हैं लेकिन इससे कोई लाभ होने वाला नहीं हैं।

अंबेडकर के आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि की और कहा कि उनके आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता हैं। इस अवसर पर बागड़े ने सोमवार को अम्बेडकर सर्किल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने इस अवसर पर संविधान निर्माण के उनके महती योगदान के साथ वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके कार्यों को अनुकरणीय बताया।

उन्होंने कहा कि संविधान के जरिए देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर की समता और बंधुत्व का मंत्र देने वाले डा अम्बेडकर के आदर्शों को जन जन को अपनाने की आवश्यकता है।

बाबा साहब ने देश में लोकतंत्र को मजबूत करने की व्यवस्था की : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को यहां कहा कि 'भारत रत्न' बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने देश का संविधान ही नहीं लिखा, बल्कि देश में लोकतंत्र को मजबूत करने की पूरी व्यवस्था भी की । यादव राजस्थान के शहर अलवर में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर बाबा भीमराव अम्बेडकर के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान, उन्होंने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के साथ षड्यंत्र किया। उनको चुनाव में हरवाया। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि बाबा साहब लोक सभा में पहुंचें। कांग्रेस ने उनके स्मारकों की भी उपेक्षा की।

चाहें, वह महू में जन्मस्थली हो, इंग्लैंड में शिक्षा का स्थान हो, नागपुर में दीक्षा का हो या दिल्ली में महापरिनिर्वाण स्थल हो। कांग्रेस ने हमेशा उन्हें उपेक्षित रखा। यादव ने कहा, अगर बाबा साहब अम्बेडकर को सम्मान देने का काम किया है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है, जब देश से कांग्रेस की सरकार गई, तब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिया गया और तभी बाबा साहब अम्बेडकर जी को 'भारत रत्न' दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दलित और पिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया, उनकी उपेक्षा की। कांग्रेस तो सिर्फ राजनीति करती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) काम करती है।

इससे पहले, यादव ने अलवर के खुदानपुरी स्थित अम्बेडकर बालिका छात्रावास के विस्तार के लिये सांसद निधि से 50 लाख रुपये देने की घोषणा की और कहा कि इससे यहां दलित बालिकाओं को अच्छे रहन-सहन और पढ़ाई का वातावरण मिलेगा। उन्होंने अम्बेडकर छात्रावास की पुस्तकालय को ई-पुस्तकालय में बदलने की भी घोषणा की। बाद में, वह अम्बेडकर सर्किल पहुंचे जहां उन्होंने बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करके श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

वक्फ संपत्तियों का पात्रों को नहीं मिल रहा था लाभ, इसलिए सरकार ने किया हस्तक्षेप : शेखावत

जोधपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर स्पष्ट करते हुए कहा है कि वक्फ को दान की संपत्तियों को मुतवल्लियों और तथाकथित धर्म के पैरोकारों ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए दुरुपयोग किया, इसलिए सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा। शेखावत ने सोमवार को यहां प्रेसवार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वक्फ के दुरुपयोग के कारण साधारण मुसलमान, जिसके कल्याण के लिए, जिस संपत्ति का नियोजन किया गया था, वो नहीं हो पाया। वक्फ संशोधन कानून से अब वक्फ की संपत्ति, जो उसके पात्र हैं, उन्हीं के लिए उपयोग में आएगी। उन्होंने कहा कि आज देश में सबसे ज्यादा संपत्ति अगर किसी के पास है तो वो वक्फ बोर्ड के पास में है, जिसका ठीक लाभ पात्रों को मिलना चाहिए लेकिन वो नहीं मिल पा रहा था। इसलिए सरकार कानून लेकर आई। एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि भारत का संविधान जहां एक तरफ यह कहता है कि सभी नागरिक समान हैं वहीं उसी संविधान में अल्पसंख्यकों और कुछ सजातीय समूहों के लिए अलग-अलग प्रबंध भी किए गए हैं।

वक्फ उसी का हिस्सा है लेकिन बाबा साहेब ने संविधान को जीवंत रूप में बनाया ताकि बदलते हुए समय के परिपेक्ष्य में उसमें बदलाव किए जा सकें। उन्होंने कहा कि अभी शुरुआत हुई है। वक्फ के कानून में संशोधन हुआ है। ट्रिपल तलाक समाप्त हुआ है। देखते जाइए, थोड़े दिन बाद में देश के सभी लोगों की आशा के अनुरूप ऐसे बदलाव देखने को मिलेंगे। मंदिरों की संपत्ति से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि अधिकांश मंदिर राज्य सरकारों की संपत्ति और संपदा हैं।

विभिन्न राज्य सरकारों ने मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्थान बोर्ड की व्यवस्था की है। अपने राजस्थान में भी लगभग सभी मंदिरों का प्रबंध मोटे तौर पर देवस्थान विभाग के पास है। केवल कुछ मंदिर, जो या तो पारिवारिक ट्रस्ट का मंदिर है या रामदेवरा का मंदिर एकदम अलग है, क्योंकि वह मंदिर नहीं है, समाधि स्थल है।

न आकांक्षाओं की पूर्ति ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है। शर्मा ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडों के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सुबह जनसुनवाई की और इस दौरान अपनी शिकायत एवं समस्या लेकर आये प्रत्येक व्यक्ति की परिवेदना को सुना तथा अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन मौजूद थे।

बोहाग बिहू के अवसर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने जनता को बधाई दी

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम के लोगों को बोहाग बिहू के अवसर पर बधाई दीं। बोहाग माह के पहले दिन से शुरू होने वाला 'रोंगाली बिहू' असमिया नववर्ष का प्रतीक है और पूरे राज्य में इस अवसर पर उत्सव का माहौल है। यह पर्व बोहाग के पूरे महीने में मनाया जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भारत और विदेशों में बसे सभी भारतीयों को बोहाग बिहू के साथ-साथ बैसाखी, विशु, पोइला बोइशाख, मेशादी, वैसाखड़ी और पुथांडु पिरापु की भी बधाई दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच में अपने पोस्ट में लिखा, ''आप सभी को बोहाग बिहू की ढेरों शुभकामनाएं! यह नववर्ष आपके जीवन में नई शुरुआत, खुशहाली और समृद्धि लेकर आए। सभी की अच्छी सेहत और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करता हूं।'' गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, ''ब्रह्मपुत्र के तट पर असमिया नववर्ष के स्वागत की यह खुशी, सबके लिए समृद्धि और कल्याण लेकर आए।'' असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'गरु बिहू' से उत्सव की शुरुआत लोगों के जीवन में कृषि की अहम भूमिका को दर्शाती है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने संदेश में कहा, ''इस विशेष अवसर पर हमारी जीवन रेखा, पशुधन की कुशलता और समृद्धि के लिए मेरी प्रार्थनाएं।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''आज असम 'गरु बिहू' मना रहा है। यह दिन गोमाता की पूजा को समर्पित है, जिन्हें सनातन धर्म में मातृत्व और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है।''

आज उप्र बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि यह भारत के विकास इंजन के रूप में उभरा है।

यहां फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''जब हम उत्तर प्रदेश की बात करते हैं, तो भारत में सबसे अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश जैसा राज्य 'फिसड्डी' कैसे हो गया? यह कैसे बीमारू हो गया? इसके पीछे कारण होंगे। जब देश आजाद हुआ, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। लेकिन, धीरे-धीरे यह कम होती गई और एक समय ऐसा आया जब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का एक तिहाई हो गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में देश के साथ-साथ दुनिया ने उत्तर प्रदेश को बदलते हुए देखा है।'' उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है। मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और 'ईकोसिस्टम' बनाने में सरकार का साथ दिया है। उनका कहा था कि विशेष रूप से, निवेशक सम्मेलन 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। आदित्यनाथ ने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह 'राजस्व अधिशेष राज्य' बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और उनकी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने जो कदम आगे बढ़ाए हैं, उसके आप सभी साक्षी हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, ''आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की कतार में नहीं खड़ा है, बल्कि राज्यों की पहली पंक्ति में खड़ा होकर तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। यह एक ऐसा राज्य बन गया है, जिसने विकसित राज्य बनने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। आज उत्तर प्रदेश भारत के विकास इंजन के रूप में उभरा है। अब यह बीमारू राज्य नहीं रहा, यह देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि राज्य ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने वित्तीय चुनौतियों का जिक्र करते हुए बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी, उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे, लेकिन, सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपए की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष वाला राज्य बन गया है।

आईएनए ने 1944 में जहां फहराया था तिरंगा वहां कार्यक्रम में शामिल हुए मणिपुर के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोइरांग/भाषा। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को मोइरांग में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां 1944 में आज ही के दिन आईएनए ने तिरंगा फहराया था।

बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में आईएनए शहीद स्मारक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भल्ला ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक प्रकरणों में से एक का स्मरण करना उनके लिए अत्यंत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मोइरांग में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) ने जो किया वह प्रतिरोध, आशा और स्वतंत्र होने के लिए दृढ़ संकल्पित राष्ट्र की अदम्य भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आजादी के लिए आईएनए का प्रयास बातचीत से नहीं, बल्कि दृढ़ कार्रवाई से प्रेरित था। उन्होंने कहा, हालांकि, मोइरांग में आईएनए की उपस्थिति संक्षिप्त थी, लेकिन इसकी विरासत साहस, बलिदान और अटूट देशभक्ति की भावना से पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है।

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में राजग अगली सरकार बनाएगी: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में अगली सरकार बनाएगा। भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने एक समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि कुमार ने 'अंबेडकर समग्र सेवा अभियान' की शुरुआत की है।

इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासियों और दलितों के लिए बनाई गई योजनाएं सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। चौधरी ने कहा, ''बाबासाहब अंबेडकर की जयंती पर एक अभियान शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई। यह अभियान अनुसूचित जातियों और जनजातियों के प्रति उनकी गहरी चिंता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, अभियान के तहत अधिकारी उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत 22 योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। सभी पंचायतों में यह जायजा लिया जाएगा। जहां भी सभी लोगों तक लाभ नहीं पहुंचा होगा, वहां सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद है, जिस पर विवाद उत्पन्न हो गया था।

बंगाल : सुकांत मजूमदार ने मुर्शिदाबाद हिंसा के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया

मालदा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सोमवार को मालदा के एक स्कूल में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया। इस राहत शिविर में मुर्शिदाबाद से कई हिंदू परिवारों ने शरण ली है। मजूमदार ने विस्थापित परिवारों से मुलाकात की और बाद में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए स्थापित विशेष नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया। कई महिलाएं मजूमदार को अपनी आपबीती बताते हुए कथित तौर पर रो पड़ीं।

मजूमदार ने कहा, ''उनके घरों को आग लगा दी गई, संपत्ति नष्ट कर दी गई और उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं। एक महिला ने अपने चार दिन के बच्चे के साथ यहां शरण ली है।'' पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ शुक्रवार को भड़की हिंसा में तीन लोग मारे गए और कई घायल हो गए। मजूमदार ने आरोप लगाया कि 'कट्टरपंथी ताकतों' द्वारा ये हमले विरोध की आड़ में किये गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया, '' शुरुआत में 200-250 परिवारों ने यहां शरण ली थी। अब पुलिस के दबाव में शिविर बंद करवाकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नाकामी को छुपाने के लिए सिर्फ 70-75 परिवार ही बचे हैं। वे अभी भी डर के साये में जी रहे हैं। ''

हरियाणा के मुख्यमंत्री के बिहार से जुड़े बयान को जद(यू) को 'गंभीरता' से लेना चाहिए : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जद (यू) से कहा कि उसे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उस टिप्पणी को गंभीरता से लेना चाहिए जिसमें उन्होंने कथित तौर पर संकेत दिया था कि भाजपा उन्हें (नीतीश को) एक और कार्यकाल के लिये मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी।

नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और उनका दल भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में एक प्रमुख घटक है।

यादव ने वैशाली जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में यह टिप्पणी की, जहां उनसे रविवार को दिल्ली में एक समारोह में सैनी द्वारा की गई गूढ़ टिप्पणी के बारे में पूछा गया था। सैनी बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मंच साझा कर रहे थे। उनके भाषण का एक हिस्सा समाचार चैनलों पर दिखाया जा रहा है। सैनी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हरियाणा में भाजपा को सत्ता में वापस लाने वाली हमारी विजय यात्रा बिहार में भी जारी रहनी चाहिए। मुझे यकीन है कि आगामी चुनाव सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भाजपा जीतेगी।'' जब यादव का ध्यान इस ओर खींचा गया तो उन्होंने कहा, ''जद(यू) को इस टिप्पणी पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। सैनी भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णय का खुलासा कर दिया है, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं कर रहे हैं।''

कांग्रेस और सपा बाबासाहब की दुश्मन पार्टी हैं: केशव प्रसाद मौर्य

कौशांबी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की दुश्मन हैं। यहां दो विकास कार्यों का लोकार्पण करने आये मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने बाबासाहब के सपनों को कुचलने का कार्य किया और उन्हें कई बार अपमानित किया है। यहां तक कि बाबासाहब को कांग्रेस सरकार से इस्तीफा तक देना पड़ा था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, जहां सपा ने कन्नौज में बाबासाहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम ही बदल दिया, वहीं, बसपा ने बाबासाहब के नाम पर बस वोट लिया और राज किया। जिनके (दलितों) लिए उसे कुछ करना था उनके लिए उसने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो बाबासाहब के पंचतीर्थों को बनाते हुए उनके संकल्पों को पूरा कर रही है। मौर्य ने भरवारी नगर पालिका परिषद के रसूलपुर गिरछा चौराहे पर बाबासाहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया और भरवारी नगर पालिका परिषद के नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण किया।

बयानवीरों की सुरक्षा तत्काल हटाए सरकार: बृजभूषण शरण सिंह

गोंडा (उप्र)/भाषा। भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन पर निशाना साधते हुए कहा कि धर्म, जाति या महापुरुषों के नाम पर समाज में तनाव फैलाने वाले ऐसे 'बयानवीर' को सरकारी सुरक्षा का लाभ नहीं मिलना चाहिए। सोमवार को बिश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर सिंह ने रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान को 'सोची-समझी राजनीति' करार दिया और कहा कि अब सरकार को स्पष्ट नीति बनानी होगी कि किसे सुरक्षा दी जाए और किसे नहीं। पूर्व सांसद ने कहा, ये जो बयानवीर हैं, वे किसी धर्म के खिलाफ, मजहब के खिलाफ, जाति के खिलाफ या किसी के व्यक्तिगत जीवन के बारे में अनावश्यक टिप्पणी करते हैं और फिर उससे तनाव पैदा होता है, ऐसे में केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार को इनको कम से कम सरकारी सुरक्षा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिन लोगों के कारण समाज में तनाव पैदा होता हो, वे चाहे हिन्दू बयान वीर हों या मुसलमान, इन बयानवीरों को सरकारी सुरक्षा नहीं दी जानी चाहिए। जो बयान देता है, वह अपनी सुरक्षा स्वयं करे। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग महापुरुषों की छवि धूमिल कर समाज में टकराव पैदा कर रहे हैं जो खतरनाक प्रवृति है और इससे राष्ट्रीय एकता पर सीधा प्रहार होता है।

भाजपा ने देश भर में मनाई अंबेडकर जयंती, प्रधानमंत्री ने अभियान का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेताओं ने देश भर में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती मनायी और उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा महान दलित विचारक के जन्मदिन की आड़ में राजनीतिक विरोधियों पर हमला करने से भी नहीं चूके।

वक्फ संशोधन अधिनियम के कारण मची राजनीतिक घमासान के बीच मोदी ने इस कानून का विरोध करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधा और उन पर अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित संवैधानिक मूल्यों से परे जाकर 2013 में वक्फ कानून में संशोधन कर संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने जहां अंबेडकर के आदर्शों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए हरियाणा का दौरा किया, वहीं देश भर में उनकी पार्टी के सहयोगियों ने संविधान निर्माता को याद करने के लिए एक नए अभियान की अगुवाई की, जिसमें दलितों पर विशेष ध्यान दिया गया। दलित समुदाय देश भर में एक महत्वपूर्ण मतदाता समूह हैं और वे अंबेडकर का बहुत सम्मान करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा राष्ट्रीय राजधानी के अलीपुर स्थित अंबेडकर के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि देने गए, जहां उन्होंने 1956 में अंतिम सांस ली थी, जबकि पार्टी नेताओं ने इस मौके पर देश भर में अपने कार्यालयों में और अन्य स्थानों पर उनकी याद में कई कार्यक्रम आयोजित किए। भाजपा मुख्यालय में कई नेताओं ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर इसके मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया।

डॉ अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में, भाजपा ने उन्हें याद करने के उद्देश्य से पार्टी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में देश भर के नेताओं की एक कार्यशाला आयोजित की थी।

प्रधानमंत्री पटना में खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे: नीतीश

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करने के लिए अगले महीने बिहार का दौरा करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिसमें केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया भी उपस्थित थे।

नीतीश कुमार ने कहा, ''यह हमारे लिए खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार मई को पटना में खेलो इंडिया युवा खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे। इन खेलों के आयोजन ने हमें राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया है।''

मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित समारोह में रिमोट कंट्रोल के माध्यम से खेलों के लोगो और शुभंकर का अनावरण किया गया।

इन खेलों का आयोजन चार से 15 मई तक बिहार के पांच जिलों पटना, गया, नालंदा, भागलपुर और बेगुसराय में किया जाएगा। इन खेलों में देश भर के 8500 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के 1500 सदस्य हिस्सा लेंगे।

मुझे 'गद्दार' बताने वाले पोस्टर के पीछे नाथूराम गोडसे के समर्थकों का हाथ : दिग्विजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने सोमवार को दावा किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर विवादास्पद पोस्टर लगाने के पीछे महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के ''समर्थकों'' का हाथ है। पोस्टर में सिंह को ''गद्दार'' बताया गया था।

मध्यप्रदेश, सिंह का गृहराज्य है जहां वह 1993 से 2003 तक 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे थे। इंदौर और राज्य के अन्य शहरों में हाल में लगाए गए विवादास्पद पोस्टर पर छपा था-''वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह।'' पोस्टर में दिग्विजय सिंह (78) की तस्वीर पर एक सील के ठप्पे का निशान भी बनाया गया था जिस पर छपा था-''वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार।''

यहां महू नाका चौराहा पर लगाए गए ऐसे पोस्टर के नीचे ''भारतीय जनता युवा मोर्चा, इंदौर महानगर'' छपा था। इसके खिलाफ कांग्रेस शहर के छत्रीपुरा थाने में शिकायत कर चुकी है।

भाजपा और टीएमसी दोनों वोट बैंक की राजनीति के लिए धर्म से खेल रहे हैं : नौशाद सिद्दीकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही दल वोट बैंक की राजनीति के लिए पश्चिम बंगाल में ''धर्म के साथ खेल रही हैं'' और उन्हें आर्थिक विकास की कोई चिंता नहीं है।

सिद्दीकी ने कोलकाता के रामलीला मैदान में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सार्वजनिक रूप से अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है, लेकिन वास्तव में, दिखावे के लिए उसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ 'मौन समझौता' कर लिया है। उन्होंने कहा, ''हम वक्फ (संशोधन) अधिनियम का पूरी ताकत से विरोध करने की कसम खाते हैं। हम इसे विफल करने के लिए हर कदम उठाएंगे। लेकिन, टीएमसी इस अधिनियम के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयानबाजी तो कर रही है, लेकिन इसका विरोध करने को लेकर गंभीर नहीं है।''

आईएसएफ के विधायक ने कहा, ''ऐसा लगता है कि वे भाजपा के साथ 'बैकडोर सेटिंग' (समझौता) कर रहे हैं। टीएमसी के कुछ शीर्ष नेताओं ने हजारों एकड़ भूसंपदा अर्जित कर ली है। वे मुसलमानों सहित आम लोगों का कल्याण नहीं चाहते हैं।''

पश्चिम बंगाल में भांगर विधानसभा सीट से निर्वाचित आईएसएफ के एकमात्र विधायक ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने आरजी कर अस्पताल की महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या की जांच को दबाने की साजिश रची है, जिससे पता चलता है कि उन्हें आम लोगों की कोई चिंता नहीं है।

सिद्दीकी ने लोगों से धार्मिक आधार पर उन्हें बांटने की साजिश के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा कि शुभेंदु अधिकारी जैसे भाजपा नेता हिंदुओं से एकजुट रहने को केवल इसलिए कह रहे हैं ताकि सत्ता में आने के लिए हिंदू वोटों का एक हिस्सा हासिल किया जा सके।

रैली से पहले, आईएसएफ समर्थकों की कोलकाता जाते समय भांगर में पुलिस के साथ झड़प हुई। उनके वाहनों को रोक दिया गया और उन्होंने बसंती राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया।

सिद्दीकी ने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई में आईएसएफ के कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं, लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

दलितों के कल्याण के लिए अंबेडकर के रास्ते पर चल रहे हैं : माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार बीआर अंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलते हुए दलितों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

अगरतला के उज्जयंत पैलेस में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि संविधान निर्माता अंबेडकर को उनके योगदान के लिए बहुत देर से सम्मानित किया गया क्योंकि उनकी मृत्यु के 40 साल से अधिक समय बाद उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ''अंबेडकर ने दलितों के लिए काम किया था और जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।''

विपक्षी कांग्रेस और माकपा ने भी अंबेडकर की जयंती मनाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा, ''हमने अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और संविधान तथा उसके मूल्यों को नष्ट करने के किसी भी प्रयास को विफल करने की शपथ ली।'' आशीष ने कहा, ''संविधान और आरक्षण को नुकसान पहुंचाने के लगातार प्रयास किए गए हैं। कांग्रेस ऐसे प्रयासों का विरोध करती रहेगी।'' इस बीच, धलाई जिले के दुर्गा चौमुहानी में अंबेडकर जयंती मनाने के लिए माकपा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम पर हमला किया गया, जिसमें पार्टी का एक कार्यकर्ता घायल हो गया। माकपा ने आरोप लगाया कि हमले में भाजपा संरक्षित गुंडों का हाथ है, हालांकि सत्तारूढ़ दल ने आरोप को खारिज कर दिया है। पुलिस ने बताया कि घायल माकपा कार्यकर्ता की पहचान अनिल दास के रूप में हुई है, जिसे कुलई जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुविचार

महत्वाकांक्षा सफलता का मार्ग है। दृढ़ता वह वाहन है जिस पर आप सफलता तक पहुंचते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुनहरे सपनों का छलावा

महाराष्ट्र पुलिस की साइबर शाखा ने म्यांमार में 60 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को 'साइबर गुलामी' से मुक्त करवाकर प्रशंसनीय काम किया है। ऊंचे वेतन वाली नौकरी के झांसे में आकर ये लोग विदेश गए, लेकिन यह सफर उनके लिए सुनहरे सपनों का छलावा ही साबित हुआ। वहां उन्हें साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया! जिन्होंने साइबर अपराधियों की बात नहीं मानी, उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उनकी आपबीती सुनकर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के उन कपटी एजेंटों की यादें ताजा हो जाती हैं, जिन्होंने भोले-भाले लोगों को धोखा देकर उन्हें फिजी, मॉरिशस जैसे देशों में गुलाम बनाकर भेज दिया था। उनमें से कई तो वापस नहीं आ सके। अब इंटरनेट का ज़माना है। लोगों के पास देश-दुनिया की काफी जानकारी है। लिहाजा उन्हें नौकरी के नाम पर लंबे समय तक बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता। जो लोग सोशल मीडिया पर थाईलैंड, म्यांमार जैसे देशों में मोटी कमाई और कई सुविधाओं वाली नौकरी से संबंधित पोस्ट्स पर विश्वास कर चले गए और वहां साइबर अपराधियों के चंगुल में फंस गए, उन्हें खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए- इन देशों की अर्थव्यवस्था की हालत बहुत अच्छी नहीं है, वहां भी बेरोजगारी है, इसके बावजूद उनकी कंपनियां आपको ऊंचा वेतन देकर नौकरी के लिए क्यों बुला रही हैं? खासकर म्यांमार में जैसा माहौल है, वहां किसी भारतीय के लिए ऐसी नौकरी की कितनी संभावनाएं हैं? जो व्यक्ति विदेश में नौकरी के लिए जाना चाहता है, उसे अपने स्तर पर कुछ तो जांच-पड़ताल करनी चाहिए। यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। सर्च इंजन, एआई चैटबॉट समेत ढेरों विकल्प मौजूद हैं, जो कुछ ही सेकंडों में उस देश की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति का विवरण पेश कर सकते हैं।

थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उनसे संबंधित ख़बरें ऑनलाइन उपलब्ध हैं। यह दुर्भाग्य का विषय है कि हमारे यहां विदेश में नौकरी का इतना महिमामंडन कर दिया गया है कि कई युवाओं ने इसे अपने जीवन का एकमात्र लक्ष्य बना लिया है। वैध, अवैध, जो भी तरीका हो, विदेश जाना है, वहीं नौकरी करनी है। इस मानसिकता ने कई परिवारों को भारी नुकसान पहुंचाया है। पंजाब, हरियाणा में तो कई गांव ऐसे हैं, जहां के युवाओं ने 'डंकी' लगाकर अमेरिका में घुसपैठ की और यहां पटाखे जलाकर खुशियां मनाई गईं! जब से अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्ती बरतनी शुरू की है, अवैध प्रवासियों के हौसले ठंडे पड़े हैं, लेकिन विदेश जाने की इच्छा कम नहीं हुई है। अमेरिका नहीं जा सकते तो क्या हुआ? थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया में कमाई के मौके खुल गए हैं! यह कमाई गले का फंदा बन सकती है। जो लोग सोशल मीडिया पोस्ट देखकर वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, वे पहले उन लोगों के अनुभव जरूर पढ़ लें, जिन्हें अपनी जान बचाने के लिए सरकार से गुहार लगानी पड़ी थी। शुरुआत में उनसे बहुत विनम्रतापूर्वक बातचीत की गई। एजेंटों द्वारा पासपोर्ट, टिकट जैसे इंतजाम किए गए। उन्हें थाईलैंड पहुंचकर ऐसा महसूस हुआ कि अब ज़िंदगी बेहतर होने वाली है। उसके बाद छोटी नौकाओं में बैठाकर म्यांमार भेज दिए गए और यह जानकर बड़ा झटका लगा कि एजेंटों ने उनका सौदा कर लिया है। जिन नए लोगों से सामना होता है, वे एके-47 राइफल समेत कई घातक हथियारों से लैस होते हैं। वे चाहते हैं कि 'भर्ती किए गए' लोग जल्द ऑनलाइन ठगी का काम शुरू करें और उन्हें पैसा कमाकर दें। जो उनके निर्देशों का पालन नहीं करता, उसके नाखून तक उखाड़ लेते हैं। जो ज़रा-सी ग़लती करता है, उसका वेतन काट लेते हैं। विदेश जाकर ऐसी कमाई करने से लाख गुना बेहतर है- अपने देश में कोई काम सीख लें। कम-से-कम, सुकून की रोटी तो मिलेगी। हमारे युवा सावधान रहें। विदेश में ऐसी कमाई के लालच में बिल्कुल न आएं।

ट्वीटर टॉक

आज संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती है। उनका जीवन... उनका संघर्ष... उनका जीवन संदेश... हमारी सरकार की 11 साल की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ बना है। हर दिन, हर फैसला, हर नीति... बाबा साहेब अंबेडकर को समर्पित है।

-नरेन्द्र मोदी

आज विद्याधर नगर विधानसभा के श्री गौरक्षनाथ आश्रम संस्थान ज्योतिर्लिंग हनुमान गणेश मंदिर में वरिष्ठ नागरिक धोबी बसेठा समाज सुधार सेवा समिति द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-दीया कुमारी

आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर भाजपा जोधपुर शहर के कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ जी ने जिसकी अगुवाई की। बाबा साहेब के जीवन व आदर्शों और विचारों पर चर्चा हुई।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु से बड़ा भय

एक पुरानी तिब्बती कथा है कि दो उल्लू एक वृक्ष पर आकर बैठे। एक उल्लू के मुंह में सांप था, जो उसका भोजन था। दूसरा उल्लू एक चूहा पकड़ लाया था। दोनों पास-पास बैठे। सांप ने जैसे ही चूहे को देखा, वह यह भूल गया कि वह उल्लू के मुंह में है और मृत्यु के बहुत निकट है। चूहे को देखकर उसके मुंह में पानी भर आया। उसकी इंद्रियों की तृप्ति की लालसा इतनी प्रबल थी कि उसे अपने मृत्यु-स्थिति का भी भान नहीं रहा। उधर, जैसे ही चूहे ने सांप को देखा, वह भयभीत हो गया। वह कांपने लगामृत्यु के मुंह में होने के बावजूद, डर उसे सांप से लग रहा था। दोनों उल्लू यह दृश्य देखकर हैरान रह गए। एक उल्लू ने दूसरे से पूछा, 'भाई, क्या तुमने यह समझा कि यह क्या हो रहा है?' दूसरे उल्लू ने उत्तर दिया, 'बिलकुल! अब समझ में आया कि रस, स्वाद और इंद्रिय-तृप्ति की इच्छा इतनी गहरी होती है कि मृत्यु सामने खड़ी हो, तब भी दिखाई नहीं देती। और यह भी समझ में आया कि भय, मृत्यु से भी बड़ा होता है।'

सामयिक

मुर्शिदाबाद का भयावह सच

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से लेकर मध्यप्रदेश का गुना और इसके पहले नागपुर मलाड आदि की घटनाओं से निस्संदेह देश को डरना चाहिए। इसका यह अर्थ नहीं कि डर कर चुपचाप बैठ जाए बल्कि इन घटनाओं में लगातार दिख रहे यथार्थ को पहचान कर उसके अनुरूप व्यवहार तय करने का समय है। मुर्शिदाबाद से भागीरथी नदी में नाव पर बैठकर पलायन करते और फिर मालदा जिले में उतरते लोगों की तस्वीरें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को अंदर से हिला देगी। हम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में गैर मुस्लिमों, हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा पर अपनी भौंहें है टेढ़ी करते हैं, अपने देश के बारे में क्या कहेंगे? मालदा के पारलालपुर हाई स्कूल में शरण लिए लगभग 500 लोगों की तस्वीरें एवं वक्तव्य देश के सामने है। इनमें तीन दिन के नवजात से लेकर महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हैं। स्थानीय स्थानीय लोगों ने कम से कम उन्हें गले लगाया और खाने-पीने की व्यवस्था कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार की यात्रा के बाद पार्टी और दूसरे हिंदू संगठन भी सक्रिय हुए। लेकिन क्या किसी को याद है 2021 विधानसभा चुनाव के बाद हिंदू असम और झारखंड में पहुंच गए थे। वे आज तक लौटे या नहीं लौटे देश को पता भी नहीं था। जब असम के मुख्यमंत्री हिमांतो विस्वासर्मा ने अपनी पोस्ट लिखी तब इसकी जानकारी हुई। वर्तमान घटना में पलायन कर गए लोग मुर्शिदाबाद के धुलियान के हैं। वे बता रहे हैं कि घरों में आग लगा दी, मारपीट की गई, अब न घर रहा न खाने को राशन बचा हम करें तो क्या करें, जो कुछ था वह सब लूट कर ले गए। मणिपुर पर तूफान खड़ा करने वाले और यात्रा करने वाले राहुल गांधी से लेकर विपक्ष के नेताओं की चुप्पी ज्यादा डरावनी है। मणिपुर देश के लिए सभी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए किंतु क्या मुर्शिदाबाद नहीं?

यही वह प्रश्न है अलग-अलग ऐसी घटनाओं और संदर्भों में जिनका उत्तर भारत स्पष्ट रूप से कभी नहीं दे सका। धुलियान में एक गरीब पिता पुत्र की हत्या कर दी गई जो हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। मूर्तिकार से किसका वैर का हो सकता है? लोग कह रहे हैं कि उनकी पानी की टंकी में जहर मिला दिया गया। इसमें कितनी सच्चाई है अभी तक तो ममता बनर्जी सरकार को टंकियां जांच करके बता देना चाहिए था। नहीं बताने का मतलब? कई तालाबों में मछलियों सहित अन्य जीव मेर पाए गए। यानी हमलावर घोषणा कर रहे थे कि सारे पानी में जहर मिला देंगे तो संभवत उन्होंने तालाब में ऐसा किया। टीवी कैमरों के माध्यम से देश ने वहां की हिंसा देखी। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भी अलग-अलग क्षेत्र में हिंसाहो रही है। शमशेरगंज सहित कई स्थानों में बीएसएफ की टीम पर गोलीबारी की गई। बीएसएफ कई घरों में जमा किए पत्थर हटा रही है। कोलकाता कोलकाता उच्च न्यायालय के आदेश के कारण केंद्रीय सुरक्षा बलों की 17 कंपनियां तैनात की गई अन्यथा पश्चिम बंगाल पुलिस के रहते क्या हो रहा था और क्या होता इसकी कल्पना से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भले आप आलोचना करिए और उनके विरोधी हों। इन विकट परिस्थितियों में हिंदू समाज के साथ इनके अलावा कोई खड़ा नहीं दिखता। अन्य पार्टियों की स्थानीय ईकाइयां सच देखती हैं, भूमिका निभाता भी चाहती हैं लेकिन प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व के दबाव में नहीं करती। सबसे बुरी स्थिति कांग्रेस के पिछले लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी की है। उनकी बात पार्टी में ही सुनने वाला कोई नहीं क्योंकि यहां पूरे देश का मुस्लिम वोट बैंक प्रभावित होता है। स्थानीय भाजपा के कई नेताओं ने प्रदेश में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम या अफस्पा लागू करने की मांग की है। आपको यह भले नागवार गुजरे किंतु पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखिए और निष्कर्ष निकालिए कि वहां क्या किया जाना चाहिए?

किसी का वक्फ संशोधन कानून से विरोध है तो उसका तरीका हिन्दुओं पर हमला कैसे सकता है? वैसे तो वक्फ क कानून में ऐसा कुछ नहीं है जिसे मुसलमान या इस्लाम के विरुद्ध साबित किया जा रहा है। इस तरह की जहर फैलाने वाले वास्तव में स्वयं मुस्लिम समाज के ही दुश्मन हैं। बावजूद अगर आपको विरोध करना है तो इसके लिए हिंदुओं के घरों पर हमले करने, धर्म स्थलों को क्षतिग्रस्त करने, हत्याएं करने, दुकान घर जलाने आदि की क्या आवश्यकता है? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशव्यापी विरोध का आह्वान किया था। क्या हिंसा के लिए उसे दोषी नहीं माना जाना चाहिए? हमलावरों की तैयारी कितनी थी यह है इसका अनुमान इसी से लगाइए कि पलायन कर गए लोग बता रहे हैं कि वे गैस सिलेंडरों को खोलकर दियासलाई से आग लग रहे थे और पेट्रोल डाल रहे थे। आगजनी, पत्थरबाजी और गोली चलाने के लिए पहले की तैयारी चाहिए। गुना में हनुमान जयंती की शोभायात्रा पर जितनी भारी संख्या में पत्थर चले और आगजनी हुई उसकी तैयारी एकाएक संभव नहीं। इसी तरह हजारीबाग में हुआ। पिछले लंबे समय से हम देख रहे हैं कि हिंदुओं से जुड़े उत्सवों, शोभा यात्राओं, प्रतिमा विसर्जनों आदि पर इसी तरह पत्थरों से हमले होते हैं फिर अग्निकांड होता है। इससे भी डरावना सच यह है कि कोई बड़ा मुस्लिम नेता या संगठन हिंसा के विरुद्ध मुखर होकर सामने नहीं आते। दूसरे पक्ष को ही दोषी ठहरने का अभियान चलता है और कहा जाता है कि हमले उनके उकसाने पर हुए। किसी के उकसाने पर हजारों-लाखों की संख्या में पत्थर, पेट्रोल बम पैदा हो सकते। मुर्शिदाबाद पर बंगाल की ममता सरकार में मंत्री सिद्धीकुल्ला चौधरी कह रहे हैं कि हिंसा में बाहरी और भाजपा के लोग शामिल थे, वे बीएसएफ की गोली से मारे गए। जंगीपुर के स्थानीय तृणमूल सांसद खलीलुर रहमान का बयान भी यही है। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष का वक्तव्य है कि एक राजनीतिक दल ने बाहर से अपराधियों को लाकर बीएसएफ के सहयोग से मुर्शिदाबाद में तांडव मचाया है।

ममता सरकार और उनकी पार्टी का स्टैंड यही है तो आप उनसे क्या उम्मीद कर सकते हैं। यह पहली बार नहीं है। पिछले वर्ष लगभग इसी समय जब वर्धमान जिले में एक बम विस्फोट की जांच करने गई एनआईए की टीम पर जबरदस्त हमले हुए। विस्फोट बम बनाने के दौरान हुई और मरने वाले तीनों तृणमूल के थे। जाहिर है इसमें किसके गले तक हाथ पहुंचता। चाहे शाहजहां शेख पर कार्रवाई करने गई टीम हो या अन्य जगह वहां हमेशा बड़ी संख्या में उन्हें हिंसक विरोध का सामना करना पड़ता है खदेड़ा जाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पूरी सरकार , पार्टी हमला बोल शैली में साथ खड़ी होती है। जब सरकार और पुलिस प्रशासन का भय नहीं हो तो कट्टरवादी तत्व ऐसे ही उन्माद फैलाता है।

तो सच को सच की तरह देखिए फिर रास्ता निकालिए कि क्या हो सकता है। बंगाल संपूर्ण देश के लिए ऐसा डरावना प्रश्न बना हुआ है जिसका अभी तक उत्तर नहीं मिला है। धीरे-धीरे दूसरे राज्यों में भी हिंदू उत्सवों प्रतिमा विसर्जनों शोभा यात्राओं आदि पर हमले की प्रवृत्तियां बढ़ीं हैं। उनके संदर्भ में हिंदू संगठनों, सरकारों तथा पार्टियों को नए सिरे से अपनी स्थाई रणनीति और व्यवहार तय करनी होगी। मुस्लिम समुदाय के अंदर भी उदारवादी तबके को उनके विरुद्ध खुलकर सामने आना चाहिए। यह देश बचाने का प्रश्न है।

लेकिन जो समाज अपनी आत्मरक्षा और प्रतिरोध की शक्ति खो देता है उसकी कोई रक्षा नहीं कर सकता। इस समय हिंदू समाज संविधान के तहत हिंसा या गलत के प्रतिरोध के अंधकार तक का इस्तेमाल करने का साहस नहीं दिख रहा। कम से कम ऐसी घटनाओं के विरोध में अहिंसक तरीके से धरना प्रदर्शन जैसे प्रतिरोध तो होना चाहिए था। बावजूद बंगाल जैसी स्थिति किसी की नहीं। केरल की कुख्याति भी बंगाल के सामने कमजोर काफ छोटी हो गई है। न्यायालय की स्थिति यह है कि 2021 में हिंदुओं के पलायन का मामला उच्चतम न्यायालय में आया और सुनवाई के दौरान एक बंगाली न्यायमूर्ति ने पहले अपने को अलग किया। फिर सुनवाई आरंभ हुई और एक और बंगाली जज साहब ने स्वयं को अलग कर लिया। इस कारण वह बाधित रही। वैसे भी न्यायालयें ऐसी बढ़ती या स्थाई हो चुकी प्रवृत्तियों का समाधान नहीं कर सकतीं।

नजरिया

बेहाल वृद्धों के लिए आयोग बनना एक सराहनीय कदम

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है।

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है।

निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें जगी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फैशन वीक

अभिनेता ताहिर शब्बीर और गौहर खान सोमवार को मुंबई में बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक के दौरान रैंप पर चलते हुए।

कनिका भवनः जहां डॉ. अंबेडकर ने लिखा था संविधान

नई दिल्ली/भाषा। मध्य दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित कनिका भवन वह बंगला है, जिसमें बाबासाहेब बीआर अंबेडकर ने भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में रहते हुए संविधान का प्रारूप लिखा था। इस भवन को मूल रूप से ओडिशा में कनिका की तत्कालीन रियासत के नाम पर रखा गया था। इंडिया गेट के निकट इस ऐतिहासिक इमारत 'कनिका हाउस' का पता अब एक, हार्डिंग एवेन्यू से बदलकर एक, तिलक मार्ग है। वर्ष 1891 में आज ही के दिन (14 अप्रैल) जन्मे अंबेडकर ने बहुत संघर्षपूर्ण जीवन जिया और दलित समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

अंबेडकर भारत के पहले कानून मंत्री बने और 1947 से 1951 तक कैबिनेट में सेवा की।

संविधान सभा के लगभग तीन वर्ष की अवधि तक किए गए विचार-विमर्श के बाद संविधान स्वीकृत किया गया। देश में 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ, जो भारत गणराज्य के जन्म का प्रतीक है। अंबेडकर विधि विशेषज्ञ और संविधान निर्माता के रूप में जाने जाते हैं तथा देश भर में बड़ी संख्या में लोगों, विशेष रूप से दलित समुदाय द्वारा इन्हें पूजा जाता है।

संविधान सभा की पहली बैठक नौ दिसंबर, 1946 को पुराने संसद भवन के भव्य केंद्रीय कक्ष में हुई थी।

सभा ने 26 नवंबर, 1949 को संविधान को स्वीकृत किया था। कानून मंत्री के रूप में अंबेडकर कनिका भवन में रहे, जिसका नाम तत्कालीन कनिका रियासत के नाम पर रखा गया था।

विरोध

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेरोजगार हुए शिक्षकों का एक वर्ग पश्चिम बंगाल से आगे अपना विरोध प्रदर्शन बढ़ाने के लिए सोमवार को कोलकाता में दिल्ली के लिए बस में सवार होने से पहले।

बाबासाहेब अंबेडकर ने कभी अनुच्छेद 370 को स्वीकार नहीं किया : मोहन यादव

महू (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को बाबासाहब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि संविधान निर्माता ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को कभी स्वीकार नहीं किया। यादव ने महान समाज सुधारक की जन्मस्थली महू में एक कार्यक्रम में कहा कि बाबासाहब अंबेडकर के उल्लेखनीय प्रयासों ने एक हजार साल की गुलामी की विसंगतियों को दूर किया और इनके आधार पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन गया है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को खत्म करके जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके अधिकार वापस दिए हैं। उन्होंने कहा, ''बाबासाहब अंबेडकर ने अनुच्छेद 370 को कभी स्वीकार नहीं किया। उनका योगदान बहुआयामी है। उन्होंने भारत के लिए भविष्य की चुनौतियों को महसूस किया। बाबासाहब अंबेडकर ने अपने संघर्ष से सीखा और दूसरों की मदद की।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने समाज के उत्थान के लिए जिस तरह का काम किया, वह पहले कभी नहीं देखा गया और संविधान द्वारा प्रदान किए गए आरक्षण ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समेत समाज के हर वर्ग की मदद की है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों के बीच साक्षरता दर कभी केवल 1.5 प्रतिशत थी लेकिन आज वह 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े सभी स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू में भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा और शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। राज्य सरकार भीम जन्मस्थल महू में धर्मशाला निर्माण के लिए 3.5 एकड़ जमीन देगी, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।'

' उन्होंने डॉ. अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश के किसानों के समृद्ध होने का दावा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का कोई व्यक्ति डेयरी खोलता है तो उसे सरकार की ओर से 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

जर्मन पनडुब्बी ने जहाज के साथ अंबेडकर का पीएचडी शोध प्रबंध भी पानी में डुबो दिया था

नई दिल्ली/भाषा। डॉ. बी.आर. अंबेडकर को शिक्षा के क्षेत्र में अपने करियर के रास्ते में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, उनमें से एक जर्मन पनडुब्बी भी थी।

वर्ष 1917 में, जब प्रथम विश्वयुद्ध अपने चरम पर था, अंबेडकर ने अपने पीएचडी शोध प्रबंध का एक मसौदा और पुस्तकों का एक विशाल संग्रह एसएस साल्सेट नामक जहाज के जरिये लंदन से तत्कालीन बॉम्बे भेजा था। हालांकि एक जर्मन पनडुब्बी से दागे गए टारपीडो ने उक्त जहाज के साथ ही अंबेडकर की पुस्तकों और उनके पीएचडी शोध प्रबंध के मसौदे को इंग्लिश चैनल की गहराई में डुबो दिया था।

'प्रॉब्लम आफ रुपी' नामक पुस्तक के लेखक अंबेडकर से जुड़ी यह घटना अब एक पुस्तक का हिस्सा बन गई है।

हालांकि इस घटना के बावजूद अंबेडकर ने आगे बढ़ने का अपना हौसला नहीं छोड़ा और उन्होंने अपना प्रयास दोगुना कर दिया। उन्हें कम से कम दो डॉक्टरेट और कई अन्य मानद उपाधियां मिलीं।

इस घटना के साथ ही अंबेडकर के अथक शैक्षणिक प्रयासों को आकाश सिंह राठौर की पुस्तक 'बीकमिंग बाबासाहेब: द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ भीमराव रामजी अंबेडकर (खंड 1) में शामिल किया गया है। इस पुस्तक को हार्परकॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया है।

बड़ौदा छात्रवृत्ति की अवधि समाप्त होने और रियासत द्वारा वित्तीय सहायता बढ़ाने से इनकार किये जाने के बाद अंबेडकर को वर्ष 1917 की गर्मियों में भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे लंदन से रवाना हुए, वह शहर जहां उन्होंने एक साल से अधिक समय तक अथक परिश्रम किया था। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एमएससी का कोर्सवर्क पूरा कर लिया था और कोलंबिया विश्वविद्यालय में पीएचडी की तैयारी में थे। हालांकि, उन्हें अभी भी अपनी 'मास्टर्स थीसिस' जमा करनी थी और उनका डॉक्टरेट शोध प्रबंध भी पूरा नहीं हुआ था।

हॉरर सीरीज 'खौफ' में नजर आएंगे रजत कपूर

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता रजत कपूर प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज 'खौफ' में नजर आएंगे। रजत कपूर एक जबरदस्त स्टोरीटेलर हैं, जो अपने हटके फैसलों और दमदार अभिनय से हमेशा कुछ अलग ही दिखाते आए हैं। वह उन कलाकारों में हैं जो फिल्मों में दिखावे से ज़्यादा कहानी को तवज्जो देते हैं। उनके निभाए किरदार और कहानियां सादगी में भी गहराई लिए होती हैं, जो सीधे दिल को छू जाती हैं। रजत कपूरएक बार फिर एक अलग ही अंदाज़ में लौटे हैं। इस बार वह प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज़ 'खौफ' में नजर आयेंगे। रजत कपूर ने 'खौफ' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, ये किरदार अब तक के मेरे किसी भी रोल से बिल्कुल अलग है। जब मुझे कॉल आया और मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं सच में रोमांचित हो गया था। ऐसा लगा जैसे ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है, अब तक जो किया है उससे बिल्कुल हटकर। पंकज और स्मिता से मिलने से पहले ही मैंने जो मटेरियल पढ़ा था, वो पढ़ते ही एक अजीब सी सनसनी महसूस हुई। रीढ़ में सिहरन सी दौड़ गई, जो आमतौर पर नहीं होता। मैं उस वक्त ही रोल को लेकर काफी जुड़ाव महसूस कर रहा था। कई बार ऐसा होता है कि किरदार वैसा नहीं बन पाता जैसा सोचा था, लेकिन यहां उल्टा हुआ। शूटिंग का एक्सपीरियंस, कॉस्ट्यूम, मेकअप सबने इसे और भी खास बना दिया। यह उन चंद प्रोजेक्ट्स में से एक है जिसे लेकर मैं सच में एक्साइटेड हूं।

आमतौर पर मुझे अपने काम को लेकर इतनी एक्साइटमेंट नहीं होती, लेकिन इस बार कुछ अलग है। 'ख़ौफ' से क्रिएटर और शो रनर के तौर पर स्मिता सिंह डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज़ को संजय रौतरे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर तले एग्ज़ीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है।

पंकज कुमार और सूर्य बालकृष्णन ने इसे निर्देशित किया है। इस सीरीज में मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। 'ख़ौफ' 18 अप्रैल को भारत समेत 240 से ज़्यादा देशों में प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी।

फिल्म 'दायरा' में काम करेंगी करीना कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री करीना कपूर खान ,फिल्मकार मेघना गुलजार की आने वाली फिल्म दायरा में काम करती नजर आयेंगी। फिल्म दायरा में करीना कपूर, पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करती नजर आयेंगी। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म दायरा में काम करने की घोषणा की है। करीना कपूर ने कैप्शन में लिखा, मेरा मानना है कि मैं एक निर्देशक की कलाकार हूं। और इस बार मैं हमारे सबसे बेहतरीन निर्देशकों में से एक, मेघना गुलजार और शानदार पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मैं इनके काम की प्रशंसक हूं। अपनी ड्रीम टीम दायरा से बस यही कहूंगी आइए मिलकर आगे बढ़ते हैं। करीना कपूर ने कहा, हिंदी सिनेमा में 25 साल पूरे होने के मौके पर मैं अपनी अगली फिल्म दायरा की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं, जिसकी निर्देशक मेघना गुलजार हैं। तलवार से लेकर राजी तक, मैं उनके काम की प्रशंसक रही हूं और उनके प्रोजेक्ट में काम करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है।

मुंबई में सोमवार को अभिनेता जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह सोमवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे।

ऋचा चड्ढा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपने ताजा पोस्ट के माध्यम से लोगों में बढ़ती उदासी को दर्शाते हुए समाज को आईना दिखाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, पिछले कुछ महीनों से, मैं एक नई मां के रूप में अपने जीवन का अनुभव करते हुए, लगभग एक गवाह के रूप में, किसी चीज से जूझ रही हूं... और उसके साथ ही समुद्र की लहरों की तरह आने वाली भावनाएं। उच्च ज्वार (हाई टाइड) और निम्न ज्वार (लो टाइड)। 'फुकरे' की एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं चाहे किसी से भी बात करूं, चाहे वे भारत में रहते हों या नहीं, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, चाहे वे किसी भी लिंग के हों, चाहे वे नास्तिक हों या ईश्वर-भक्त, चाहे वे कलाकार हों या सामान्य - एक अकथनीय उदासी है। आसन्न और आसन्न विनाश की भावना, एक प्रकार की सुन्न निराशा, जो संघर्ष से पैदा होती है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे कहा, आर्थिक अनिश्चितता मदद नहीं करती है। एक भावना है कि या तो वे इस तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिकता खो देंगे या उनकी नौकरी अप्रचलित हो सकती है। एआई के सामने यह एक बहुत ही वास्तविक डर है। मैं समझती हूं। युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के तेजी से बढ़ने के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने लिखा, भविष्य को लेकर चिंता व्याप्त है, चाहे आप इसे किसी भी नजरिए से देखें। शायद महामारी ने हमें और हमारे आस-पास के माहौल को उससे कहीं ज़्यादा बदल दिया है, जितना हम खुद को स्वीकार कर सकते हैं। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, अराजकता भी है। जबकि कई लोग इस वास्तविकता को स्वीकार कर रहे हैं कि प्रकृति ही धन का स्रोत है और विकास हमारे आवास की कीमत पर नहीं हो सकता, अधिकांश लोग इस बात से चिंतित हैं कि युवा भी मर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कुछ बदल गया है। कुछ गड़बड़ है। शायद जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसके बारे में जो कुछ भी बताया गया है, वह झूठ है।

फिल्म जाट को मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल अपनी फिल्म जाट को दर्शकों से मिल रही प्रशंसा से अभिभूत हैं। गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज हुयी है। इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सनी देओल के फैंस ट्रैक्टर-ट्रॉली में ढोल-नगाड़ों के साथ थिएटर पहुंचते हैं, और जैसे ही सनी की एंट्री होती है, पूरा ग्रुप नाचने लगता है। वो जोश, वो जुनून हर उम्र के लोग, किशोर से लेकर बुजुर्ग तक, गुलाल उड़ाते हुए सनी के लिए नारे लगा रहे हैं। सनी देओल ने लोगों से मिल रहे प्यार को देखते हुए अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, आप सभी का जाट पर बरसाया गया प्यार देखकर मैं भावुक हो गया हूं। जब मैं परिवारों को, महिलाओं के ग्रुप्स को, पूरी की पूरी गाड़ियों की कतार को और यहां तक कि ट्रैक्टरों को भी थिएटर की तरफ जाते देखता हूं तो यकीन नहीं होता कि ये सब हकीकत है। सिनेमाघरों में जो जोश, तालियां और प्यार मिल रहा है, वह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैंने सपने में सोचा था।

फिल्म ग्राउंड ज़ीरो की शूटिंग की झलक आई सामने

मुंबई/एजेन्सी

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपनी आने वाली फिल्म ग्राउंड जीरो की झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इमरान हाशमी और साईं ताम्हणकर की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो को लेकर बज़ लगातार बढ़ता जा रहा है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक बिहाइंड द सीन्स पोस्ट शेयर की है, जिसमें फिल्म ग्राउंड जीरो की टीम की मेहनत और जज़्बा साफ झलक रही है। इस फिल्म की शूटिंग कश्मीर की खूबसूरत वादियों में हुई है, जो इसकी दिलचस्प कहानी के कई अहम पलों के लिए एक दमदार बैकड्रॉप बनती है। तस्वीरों में इमरान हाशमी, साईं ताम्हणकर, फरहान अख्तर और निर्देशक तेजस प्रभा विजय देवस्कर को शूटिंग के दौरान कैंडिड मोमेंट्स में कैमरे में कैद किया गया है। ग्राउंड ज़ीरो उस मिशन पर आधारित है जिसे 2015 में बीएसएफ के पिछले 50 सालों में 'बेस्ट मिशन' का खिताब मिला था। फिल्म 'ग्राउंड जीरो' एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही है।

सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव की सीरीज ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। दो मई को रिलीज़ होने वाली यह सीरीज़ डेनियल गैरी नामक एक पत्रकार की कहानी है, जो आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले एक मायावी युवक से जुड़ी हत्याओं के सिलसिले को उजागर करने के मिशन पर है।

इस सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले मयूर मोरे ने कहा, ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का हिस्सा बनना मेरे करियर की सबसे अहम यात्राओं में से एक रही है। मेरा किरदार एक ऐसी दुनिया से आता है जहाँ विकल्प कम हैं और परिणाम कठोर हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। पुष्कर सुनील महाबलम द्वारा निर्देशित, ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स का निर्माण स्वरूप संपत और हेमल ए. ठक्कर ने किया है।

तिग्मांशु धूलिया के साथ, इस सीरीज़ में मयूर मोरे, पलक जायसवाल, देवेन भोजानी, एडवर्ड सोनेंब्लिक, हकीम शाहजहाँ, अनंत जोग, कमलेश सावंत और अन्य सहित कई नए और प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 15-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बीटीएम लेआउट स्थित रांका कॉलोनी में सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मन्दिर निर्माण स्थल पर तीन दिवसीय आंजनैय महोत्सव के अंतर्गत रविवार को पंडित बालकृष्ण शास्त्री के दिशा निर्देशन में मंत्रोच्चार द्वारा विधिवत शिलापूजन, हवन, यज्ञ आहूति आदि धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए जिनमें बड़ी संख्या में सदस्यगण शामिल हुए।

आंतरिक शुद्धि की वैज्ञानिक प्रक्रिया है तप : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित धर्मनाथ जैन संघ में अपने प्रवचन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन दर्शन में आत्मिक विकास हेतु तप धर्म की अनोखी अवधारणा दर्शाई गई है जो तन-मन और आंतरिक शुद्धि में भी मददगार साबित होती है। तप की वास्तविक परिभाषा है इच्छाओं का निरोध करना क्योंकि जीवन में दुःख का कोई कारण है तो वह है अशुभ इच्छा। तप एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। तप की परिभाषा सिर्फ भूखे रहने तक सीमित नहीं है। जिन-जिन माध्यमों से इच्छाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है उन तमाम प्रक्रियाओं को तप में समाविष्ट किया गया है। बाह्य रूप से कठिन लगने वाला तप वास्तव में व्यक्ति को सुखी बनाने में समर्थ है। प्रवचन के पश्चात संघ के पदाधिकारियों ने चैत्र मास की नवपद ओली की आराधना में निश्रा प्रदान करने के लिए आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु निवेदन किया। आचार्यश्री ने गच्छाधिपति आचार्यश्री युगभूषणसूरीश्वरजी से सहमति मिलने पर चातुर्मास निर्णय घोषित करने की बात कही।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव सेवा कार्य

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने माहेश्वरी भवन में शांतिलाल, लादूलाल पितलिया परिवार द्वारा संचालित जैन मानव सेवा ट्रस्ट के सदस्यों के साथ मिलकर सोमवार को माहेश्वरी सभा के अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति में लगभग 300 दृष्टिबाधित लोगों को नाश्ता करवाकर राशन सामग्री के किट वितरित किए। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने जैन ट्रस्ट का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, सभा के संस्थापक अध्यक्ष सुखलाल पितलिया, सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

संतश्री बसंतमुनि की मौन आत्मसाधना की रजत जयंती आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उपाध्याय केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट शूले में संतश्री बसंतमुनिजी विगत 55 दिनों से मौन-ध्यान-साधना में लीन हैं।

ट्रस्ट के महामंत्री प्रेमकुमार कोठारी ने बताया कि गुरुदेव बसंतमुनि की मौन आत्मसाधना की रजत जयंती की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में विशेष सामूहिक मांगलिक का आयोजन किया गया है। इस प्रसंग पर श्रमण संघ के उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, अभिजीतमुनिजी व आलेखमुनिजी आदि उपस्थित थे। सभी संतों ने बसंतमुनिजी की तप साधना की अनुमोदना कर मौन साधना के महत्व पर प्रकाश डाला। संतों के उद्बोधन के पश्चात साधनाचार्य बसंतमुनिजी द्वारा मांगलिक प्रदान किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीरचंद मरलेचा ने कहा कि इस तप की अनुमोदना स्वरूप, अनेक श्रावक श्राविकाओं द्वारा विभिन्न व्रत नियम धारण किए गए। उपाध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी (चिकबलापुर), पत्रकार गौतमचंद ओस्तवाल, शूले संघ के महामंत्री सुनील मरलेचा ने तप की अनुमोदना की। इस मौके पर शूले संघ, रत्न हितैषी श्रावक संघ, साधुमार्गी जैन संघ, शांतक्रांति जैन संघ, हिन्दी शिक्षण संघ, युवा संगठन, महिला मंडल, क्रांति बहू मंडल के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूनम मेले में संकटमोचन तीर्थ पर हुए अनेक धार्मिक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के पार्श्व संकटमोचन भैरव तीर्थ में चैत्र मास ओली के समापन पर चैत्र पूर्णिमा के मेले का आयोजन किया गया जिसका लाभ चिकमगलूर निवासी लालचंद मंजुदेवी भंसाली परिवार ने लिया। लाभार्थी परिवार बस यात्रा संघ लेकर तीर्थ पधारे। तीर्थ पर बेंगलूरु के धार्मिक गुरु तुषारगुरुजी ने पार्श्व भैरव महापूजन कर भैरवदेव को परंपरागत छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढ़ाया। बेंगलूरु के ही संगीतकार दिलखुश बाफणा एवं जय सोलंकी के साथ प्रकाश राठौड़, रिंकू बाफणा, प्रेमलता जैन ने भजनों की प्रस्तुति दी और उपस्थित जनों ने नाचकर झूमते हुए बाबा के दरबार में उपस्थिति दर्ज कराई। आरती के पश्चात लाभार्थी परिवार का स्वागत ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ट्रस्ट के ट्रस्टी व सदस्य उपस्थित थे।

निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर का आंजनैय महोत्सव

हमें परमात्मा से मांगना नहीं अपितु प्रभु से जो मिले उससे खुश रहना चाहिए : गुरुवानंदस्वामी

सालासर बालाजी मंदिर में सदस्यों ने किया शिलापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बीटीएम लेआउट स्थित रांका कॉलोनी में सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मन्दिर निर्माण स्थल पर तीन दिवसीय आंजनैय महोत्सव के अंतर्गत रविवार को पंडित बालकृष्ण शास्त्री के दिशा निर्देशन में मंत्रोच्चार द्वारा विधिवत शिलापूजन, हवन, यज्ञ आहूति आदि धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए जिनमें बड़ी संख्या में सदस्यगण शामिल हुए। शाम को मंदिर प्रांगण में सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवानंदस्वामीजी के सान्निध्य में गुरु आशीर्वाद व कल्याणकारी प्रार्थना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, उपाध्यक्ष सतीश मित्तल, सचिव मनीत सोमानी, निर्माण समिति चेयरमैन संजय शाह, कोषाध्यक्ष राजकमल गनेरीवाल, विमल केडिया, प्रमोद टांटिया, प्रभात किशनपुरिया, राजकुमार सिपानी, महेश खेतान, महेश मित्तल, कैलाश अग्रवाल आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने सभी का स्वागत करते हुए गुरुदेव का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव के करकमलों से शिलापूजन होना अपने आप में एक सौभाग्य की बात है। संजय शाह ने कहा कि सालासर बालाजी के मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है और सभी भक्तों के सहयोग से यह कार्य प्रगति पर है। गुरुवानंदजी के सान्निध्य से इस दैवीय कार्य को और गति मिलेगी।

तकलीफ में दूसरों का साथ देना है सच्ची मानवता

आशीर्वाद व कल्याणकारी प्रार्थना कार्यक्रम में ब्रह्मर्षि गुरुवानंदस्वामीजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी के प्रेम से मैं बहुत खुश हूं, आपका प्रेम ही मुझे अपनी तपस्या और सिद्धि की ताकत देता है। इस दुनिया मे कोई भी परफेक्ट नहीं होता है। गलती किसी से भी हो सकती है, गलती होने पर भी उसको अकेला मत छोड़ो, उसको अपनाकर उसकी बुराइयों को एकत्रित कर उसकी समीक्षा करके उसकी गलतियों को सुधारने में सहयोगी बनना ही सच्चे साथी का लक्षण होता है। गुरुदेव ने कहा कि किसी को कभी तकलीफ आए तो उसका साथ देना ही सबसे बड़ी मानवता व सज्जनता है। वीर हनुमान ने प्रभु श्रीराम का हमेशा साथ दिया और श्रीराम ने हनुमान को कभी भी अकेला नहीं छोड़ा, तभी आज इस भगवान और भक्त की जोड़ी को याद किया जाता है। भगवान श्रीराम पर जब जब कष्ट आया, तब तब हनुमान उनके साथ थे और हनुमानजी ने कभी भी काम का श्रेय नहीं लिया अपितु हमेशा अपने आपको प्रभु श्रीराम का दूत मानते हुए सारा श्रेय रामजी को ही दिया। हनुमानजी ही केवल ऐसे भक्त है जिन्होंने कभी भी अपने द्वारा किए गए कार्यों का श्रेय नहीं लिया और निस्वार्थ भाव से प्रभु के सभी कार्यों को पूरा किया। हमें भी अपने संसारिक जीवन में हनुमान की भांति ही निस्वार्थ भाव से कार्य करना सीखना चाहिए।

गुरुवानंदजी ने कहा कि इस संसार में हनुमान तो बहुत है पर कमी है तो जामवंत की। इंसान को अपने जीवन में हमेशा जामवंत की भांति धैर्य रखना है, अहंकार का भाव कभी नहीं आने देना चाहिए। हमें परमात्मा से मांगना नहीं चाहिए, परमात्मा से जो मिल जाए उससे खुश रहना चाहिए। जब कोई असहाय हो जाता है तब उसका साथ देना ही मनुष्य का स्वभाव होना चाहिए। पत्थर को परमात्मा बना देना ही सिद्धि है।गुरुवानन्द स्वामी ने मन्दिर कमेटी को सालासर बालाजी मन्दिर निर्माण के लिए बधाई दी।

गुरुवानंदस्वामी के करकमलों से हुई मंदिर गर्भगृह की पूजा

सोमवार को सुबह के मुहूर्त में ब्रह्मर्षि गुरुवानंदस्वामीजी के करकमलों से गर्भगृह की पूजा की गई। पंडित बालकृष्ण शास्त्री के दिशा निर्देशन में मंत्रोच्चार किए गए। इस मौके पर उपस्थित बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या व क्षेत्र के विधायक सतीश रेड्डी आदि ने शिलापूजन किया। मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन संजय शाह ने बताया कि निर्माणाधीन सालासर मंदिर अयोध्या में बने भगवान श्रीराम मंदिर जैसा ही विशाल व भव्य होगा जिसके लिए उनकी पूरी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है। उन्होंने बताया कि शहर के जाने माने वास्तुकार चेतन सोमपुरा की देखरेख में मंदिर का निर्माण व मंदिर में कलाकृतियों को उकेरा जा रहा है।

हिन्दू मंदिर ही हमारी संस्कृति का प्रतीक हैं : तेजस्वी सूर्या

गर्भगृह पूजा के मौके पर सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि हनुमानजी से बल और बुद्धि देने वाले हैं और बेंगलूरु में उनका सालासर मंदिर बनना बेंगलूरु के विकास का द्योतक है। उन्होंने कहा कि हमारे हिन्दू मंदिर ही हमारी संस्कृति का प्रतीक हैं। विधायक सतीश रेड्डी ने सालासर मंदिर निर्माण के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।इस मौके पर उपस्थित सभी अतिथियों का समिति की ओर से सम्मान किया गया। सालासर बालाजी मंदिर के गर्भगृह पूजा के मौके पर अग्रवाल समाज कर्नाटक, माहेश्वरी समाज, स्वास्तिक सेवा संघ, गौड़ ब्राह्मण संघ, जीण माता सेवा समिति, आपणो परिवार, दादी धाम प्रचार समिति, दादी परिवार, मारवाड़ी युवा मंच, सबका साथ-सबका विकास मंच सहित अनेक सभा संस्थाओं का सहयोग रहा। मंदिर कमेटी की ओर से सभी भक्तों को धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर प्रमोद टांटिया, विमल केडिया, महेश खेतान, अतुल सुरेखा, नवीन गिरिया, महेंद्र दफ्तरी आदि भी उपस्थित थे। समिति की ओर से सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद दिया गया।

साधना से सिद्धि और सिद्धि से सिद्ध पद प्राप्त होता है : साध्वीश्री क्षमाशीला

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में साध्वीश्री क्षमाशीलाजी चैत्र मास की नवपद की शाश्वत ओली पूर्ण कर बंडीपाल्या होते हुए नंजनगुड पहुंचीं जहां श्रावकों ने साध्वीश्री का स्वागत किया। इस मौके पर उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि मन को साधने से हम साधना कर पाएंगे। साधना से सिद्धि मिलती है, सिद्धि से सिद्ध पद मिलता है। जिस प्रकार हाथी को महावत त्रिशूल से अपने वश में कर सकता है, तेज रफ्तार रेल को गार्ड लाल झंडी दिखाकर वश में कर सकता है उसी प्रकार हम तप के माध्यम से ही अपने मन को वश में कर सकते हैं। साध्वीश्री ने तपस्या के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए तप करने की प्रेरणा दी। मैसूरु से अमृत बंदामुथा, सहिल सालेचा, दीपक खींवसेरा, इंद्र वोरा, भरत जैन, पुनीत बालर, दिलीप भंडारी, प्रवीण जैन, जीतू जैन, गौरव जैन, बंटी जैन, महावीर राठौड़, विशाल मेहता, पीयूष मेहता, पंचम वेदमुथा, नेपाल सिंघवी, सनी जैन, भरत फोलामुथा आदि ने विहार सेवा का लाभ लिया।

रणजीत बोथरा चुने गए सरदारशहर परिषद के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित एक होटल में रविवार को सरदारशहर परिषद की विशेष साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें केयर टेकिंग समिति के सदस्य पवन बुच्चा, उमेद बुच्चा, बिमल श्यामसुखा, आलोक सेठिया तथा चुनाव अधिकारी ऋषभ जैन की उपस्थिति में वर्ष 2025-27 के लिए रणजीत बोथरा को निर्विरोध तरीके से सरदारशहर परिषद का नया अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रणजीत बोथरा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के पश्चात अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें उपाध्यक्ष पद हेतु विनोद बोथरा और सुनीत डागा, सचिव के रूप में राजेश सेठिया, कोषाध्यक्ष के रूप में रवि नौलखा तथा सहसचिव पद पर अमित नौलखा व राजेंद्र नाहटा को शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त ऑडिटर के रूप में अशोक पींचा, संगठन सचिव कनक सेठिया, प्रसन्न दुगड़ सहित अन्य समिति सदस्यों, सलाहकारों और समन्वयकों को भी जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। निवर्तमान अध्यक्ष पवन बुच्चा ने परिषद की गतिविधियों तथा अब तक के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन आलोक सेठिया ने किया

थलापति विजय ने दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

चेन्नई/कोयंबटूर । तमिलनाडु में तमिल नववर्ष (चिथिराईकनी या पुथांडु) और बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा, फलों और सब्जियों से सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। तमिलगा वेत्री कझगम के अध्यक्ष थलापति विजय ने भी चेन्नई में अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। थलापति विजय ने चेन्नई के पलवक्कम में बाबा साहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने अंबेडकर को अपनी पार्टी का राजनीतिक प्रेरणास्रोत बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। विजय ने कहा कि अंबेडकर, पेरियार, कामराज जैसे नेता उनकी पार्टी के मार्गदर्शक हैं। पार्टी ने हर साल उनके जन्मदिन और स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि देने का संकल्प लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्साहवर्धन

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के केपी अग्रहारा यूथ संगठन द्वारा मागड़ी रोड सरकारी स्कूल खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा 'जय भीम ट्रॉफी 2025' का आयोजन किया गया जिसमें 16 टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com